@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 1 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 268 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अंकित शर्मा हत्याकांड

ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने शुक्रवार को 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। दूसरी तरफ, सजा के ऐलान के बाद कोर्ट से बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ताहिर हुसैन ने सिर्फ इतना ही कहा कि हाईकोर्ट से हमें इंसाफ मिलेगा। कोर्ट ने 13 जुलाई को इस मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में दोषी करार दिया था। सजा पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने सभी दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला फरवरी 2020 का है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान आईबी के सुरक्षा सहायक अंकित शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उनका शव चांदबाग इलाके में एक नाले से बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अंकित के शरीर पर 40 से ज्यादा घाव थे। इस मामले में कुल 11 आरोपी ट्रायल का सामना कर रहे थे। कोर्ट ने इनमें से छह आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। दोषी करार दिए गए पांच लोगों में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन का नाम भी शामिल है। उनके अलावा नाजिम, जावेद, कासिम और अनस को भी दोषी माना गया।

पुलिस ने मौत की सजा मांगी थी

दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में कहा था, 'आरोपियों ने सारी हदें पार कर दीं। अंकित की मौत होने के बाद भी उन पर हमला जारी रखा गया। यह बेहद क्रूर और सुनियोजित हत्या थी। इसलिए दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।

आज मेरा रोल कैमरे के सामने हाजिरी लगाने का नहीं, सिस्टम को ठीक करना है: राघव चड्ढा

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 पर बोलते हुए कहा कि अब उनका मकसद सिर्फ सवाल उठाना नहीं, बल्कि सिस्टम को ठीक करना है।

राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब मैं विपक्ष में था, तब सवाल मेरा हथियार था। आज मैं ट्रेजरी बेंच पर हूं, अब सॉल्यूशन मेरी जिम्मेदारी है। इसलिए मैंने खुद से वादा किया कि जब सिस्टम ठीक हो जाएगा तो मैं इस मुद्दे पर पार्लियामेंट में बोलूंगा, क्योंकि मुझे हेडलाइन नहीं, मुझे आउटकम चाहिए था। इससे पहले गुरुवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान राघव चड्ढा ने कहा, मैं अपने शुभचिंतकों से भी कुछ कहना चाहूंगा क्योंकि वे पूछ रहे थे कि आप नीट के मुद्दे पर कब बोलेंगे? मैं बहुत ही विनम्रता से कहना चाहता हूं कि जब मैं विपक्ष में बैठता था, तो सवाल मेरा हथियार था, आज मैं ट्रेजरी बेंच पर बैठता हूं तो सॉल्यूशन मेरी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि वह रोज कैमरे के सामने आकर बयान दे सकते थे, लेकिन उन्हें हेडलाइन नहीं आउटकम चाहिए। चड्ढा ने कहा, जब मैं विपक्ष में था, तो मेरा काम मुद्दा ढूंढना और सवाल उठाना था और पूरा सदन जानता है कि मैंने वह काम पूरी ईमानदारी से किया लेकिन आज मेरा रोल कैमरे के सामने हाजिरी लगाने का नहीं है। मेरी भूमिका सिस्टम को ठीक करना है।

जब मैं विपक्ष में था, तब सवाल मेरा हथियार था। आज मैं ट्रेजरी बेंच पर हूं, अब सॉल्यूशन मेरी जिम्मेदारी है।
-राघव चड्ढा

यूपी में गंगा का पानी हाईवे तक पहुंचा

उत्तराखंड में स्कूल बंद, राजस्थान के बाड़मेर में 40ए तापमान; 7 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वहीं, बिजनौर में गंगा का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। गुजरात में आज सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, उत्तराखंड में भी खराब मौसम को देखते हुए बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भी आज स्कूल बंद हैं। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर, बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। इसकी वजह पश्चिम की तरफ से आ रही गर्म हवाएं हैं। मध्य प्रदेश में मानसून के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं। इसके चलते अगले 2 दिन प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा राजस्थान, बिहार समेत 7 राज्यों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग- अगस्त में सामान्य से कम बारिश होगी- मौसम विभाग ने अगस्त में देश भर में सामान्य से कम बारिश का अनुमान जताया है और चेतावनी दी है कि प्रशांत महासागर में मध्यम अल नीनो बने रहने से दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर हो सकता है। IMD ने कहा कि अगस्त 2026 के महीने में भारत में औसत से 94फीसदी से कम बारिश होने की संभावना है।

हिमाचल में 152 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में मानसून की लगातार बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 31 जुलाई तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मंडी जिले में फिलहाल ब्यास नदी का जलस्तर सामान्य बना हुआ है और अब तक किसी भी तरह की बाढ़ या आपदा की सूचना नहीं है।

उमर अब्दुल्ला और पायल के बीच आपसी सहमति से तलाक का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी अलग रह रहीं पत्नी पायल ने आपसी सहमति से तलाक का फैसला किया है। शुक्रवार को उमर अब्दुल्ला के वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में यह जानकारी दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने उमर अब्दुल्ला के वकील कपिल सिब्बल ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सभी विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'सब कुछ तय हो चुका है और हमने कोर्ट के सामने इसके लिए अर्जी दाखिल कर दी है। कोर्ट इसको मंजूरी दे सकता है।' कपिल सिब्बल ने बताया कि उमर अब्दुल्ला ने तलाक की याचिका में कहा है कि पायल के साथ उनकी शादी पूरी तरह से टूट चुकी है और अब उसे बचाया नहीं जा सकता। इस बात पर बेंच ने कहा कि हम तय शर्तों के आधार पर इस मामले को निस्तारित कर देंगे। उमर अब्दुल्ला और पायल की शादी सितंबर 1994 में हुई थी, लेकिन वे लंबे समय से अलग रह रहे हैं। उमर की तलाक की याचिका को सबसे पहले 30 अगस्त 2016 को फैमिली कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद उमर दिल्ली हाईकोर्ट गए। हालांकि, हाईकोर्ट ने भी तलाक की अर्जी खारिज कर दी।

असम में बाढ़ से मौतों का आंकड़ा 80 पहुंचा, 2.12 लाख लोग अब भी प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली । असम में बाढ़ की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है, लेकिन संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। पिछले 24 घंटे में शिवसागर जिले में दो और लोगों की मौत के बाद इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। इनमें एक बच्चा भी शामिल है, जिसकी बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हुई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, शुक्रवार को राज्य के आठ जिलों में 2,12,400 लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं और 437 गांव जलमग्न हैं। सबसे अधिक असर चराइदेव जिले में है, जहां करीब 80 हजार लोग प्रभावित हैं। शिवसागर में लगभग 71 हजार और जोरहाट में 40 हजार से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य के 21 राजस्व मंडल भी प्रभावित हैं। चार जिलों में 112 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां 75,583 विस्थापित लोगों ने शरण ले रखी है। सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), अग्निशमन विभाग, पुलिस और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं। बाढ़ से 17,198 हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र जलमग्न हो गया है। सड़क, पुल और तटबंध समेत सार्वजनिक ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। धानसिरी नदी नुमालीगढ़ में अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। करीब 2.97 लाख पशु और मुर्गियां भी बाढ़ से प्रभावित हुई हैं। पिछले 24 घंटे में प्रभावित परिवारों के बीच 918 क्विंटल से अधिक चावल, 203 क्विंटल दाल, 146 क्विंटल नमक और 17,546 लीटर सरसों का तेल वितरित किया गया।

प्रभावित परिवारों को 15 हजार रुपये

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार को राहत और पुनर्वास के लिए कई घोषणाएं कीं। बाढ़ प्रभावित परिवारों को 2 और 3 अगस्त से तत्काल 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। चराइदेव, शिवसागर, जोरहाट और गोलाघाट जिलों में 7 अगस्त से व्यापक नुकसान का सर्वे शुरू होगा, जिसे 15 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के कर्जदारों को छह महीने तक ऋण की किस्तों के भुगतान में राहत दी जाएगी। आवश्यकता के अनुसार कर्ज की अवधि सात वर्ष तक बढ़ाने की भी अनुमति होगी। राज्य सरकार ने केंद्र से विशेष आर्थिक सहायता पैकेज की मांग की है।

कांवड़ यात्रा के दौरान हादसा

गंगनहर में डूबने से चंडीगढ़ के चार कांवड़ियों की मौत

एजेंसी

ज्वालापुर । कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार बड़ा हादसा हो गया। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार शाम गंगनहर में नहाते समय चार कांवड़ यात्री डूब गए। हादसे में चारों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों युवकों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को पुलिस को जटवाड़ा पुल के पास चार युवकों के गंगनहर में डूबने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया। गोताखोरों ने गंगनहर में तलाश शुरू की। अभियान के दौरान चारों युवकों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने सभी को जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान शिवांशु पुत्र पवन सिंह (16), नीतेश पुत्र राजेश, भरत पुत्र हरीश, निवासी सेक्टर-16/30, चंडीगढ़ और रोहित पुत्र भवानी प्रजापति, निवासी सेक्टर-26, चंडीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, चारों कांवड़ यात्रा के लिए हरिद्वार आए थे।

रूसी सेना में फंसे नागरिकों की रिहाई जारी

पीओजेके पर पाकिस्तान को घेरा । विदेश मंत्रालय ने क्या-क्या कहा?

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कई अहम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत का पक्ष रखा। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हुए जहाज एमवी एजीएन रैगनर पर हमले के बाद चालक दल में शामिल चार भारतीयों में से दो सुरक्षित हैं, जबकि दो अब भी लापता हैं। इसके अलावा रूसी सेना में फंसे भारतीय नागरिकों की रिहाई, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की स्थिति, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, अमेरिकी सीनेट के विधेयक और एमनेस्टी रिपोर्ट पर भी विदेश मंत्रालय ने सरकार का पक्ष रखा।

यूक्रेन में जहाज पर हमला, दो भारतीय अब भी लापता क्यों?

रणधीर जायसवाल ने बताया कि 25 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एमवी एजीएन रैगनर पर हमला हुआ था। जहाज पर चालक दल के सदस्य के रूप में चार भारतीय मौजूद थे। इनमें से दो सुरक्षित हैं, जबकि दो भारतीय अब भी लापता हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और रोमानिया, दोनों पक्षों की ओर से खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया है। भारत लगातार दोनों देशों के संपर्क में है ताकि लापता भारतीयों के बारे में जानकारी मिल सके। विदेश मंत्रालय उनके परिवारों के संपर्क में भी है और उन्हें हरसंभव सहायता दी जा रही है।

रूसी सेना में फंसे भारतीयों की रिहाई पर क्या बोला मंत्रालय?

- विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूसी सेना में मौजूद भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए रूस के साथ लगातार संपर्क बना हुआ है। अब तक 139 भारतीय नागरिकों की रिहाई कराई जा चुकी है।
- मंत्रालय ने कहा कि अभी भी रूसी सेना में बताए जा रहे करीब दो दर्जन भारतीयों की रिहाई के प्रयास जारी हैं।
- साथ ही लोगों को ऐसे नौकरी के प्रस्तावों से सावधान रहने की सलाह दी गई, जो जोखिम भरे हों और संदिग्ध एजेंसियों द्वारा दिए जाते हों।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान का प्रशासन पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ कठोर बल प्रयोग कर रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इस कार्रवाई में 40 से अधिक निर्दोष लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री द्वारा प्रदर्शनकारियों को दुश्मन बताना वहां के लोगों के प्रति प्रशासन के रवैये को दिखाता है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के विशेष सहायक ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि जिन मुजाहिदीनों को पाकिस्तान ने प्रशिक्षित किया, वित्तीय सहायता दी और हथियार देकर भारत भेजा था।

मायावती बोलीं- प्रदेश में उम्मीदवार मैं ही तय कर रही

- **आकाश आनंद को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम में सच्चाई नहीं**

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की भूमिका को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि यूपी में विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों का अंतिम फैसला वही कर रही हैं और अब तक करीब दो दर्जन से अधिक उम्मीदवार तय किए जा चुके हैं। मायावती ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में कई राज्य स्तरीय बैठकें उनके द्वारा ली जा चुकी हैं। इन बैठकों में प्रदेश और मंडल स्तर के पदाधिकारियों को उम्मीदवार चयन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों के इंटरव्यू आदि की प्रक्रिया के बाद अब तक 20 से अधिक प्रत्याशियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है और आगे भी सभी सीटों पर उम्मीदवारों का फैसला उनके स्तर से ही होगा।

आकाश आनंद को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप

मायावती ने कहा कि आकाश आनंद को लेकर तरह-तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में विधानसभा या लोकसभा चुनावों के दौरान उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने का अधिकार उनके पास ही रहता है। उन्होंने कहा कि जिन विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार तय हो चुके हैं, वहां उनकी अनुमति से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी जनसभाएं कर प्रत्याशियों का ऐलान कर रहे हैं। इसी क्रम में आकाश आनंद भी कुछ सीटों पर पार्टी की जनसभाओं के माध्यम से उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे।

ठाणे इमारत हादसे पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के ठाणे में इमारत गिरने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, 'महाराष्ट्र के भिवंडी में इमारत गिरने की घटना में लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मैं शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं इस हादसे में घायल हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करती हूं।' उपराष्ट्रपति ने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं! वह घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार देर रात महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी स्थित बालाजी नगर-गंगारामवाड़ी क्षेत्र स्थित चार मंजिला कोहिनूर अपार्टमेंट अचानक भरभराकर गिर गया।

केंद्र ने शहरी विकास मंत्रालय का दो अलग-अलग विभागों में किया पुनर्गठन

- **शहरी प्रशासन को मिलेगी और मजबूती**

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को संसदीय परामर्शदात्री समिति की शहरी नियोजन पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने बताया कि शहरी प्रशासन को अधिक प्रभावी और सक्षम बनाने के लिए मंत्रालय अब दो अलग-अलग विभागों के माध्यम से कार्य करेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्रालय का पुनर्गठन कर पूंजी विकास विभाग (डीसीडी/राजधानी विकास विभाग) और शहरी विकास विभाग (डीयूडी/शहरी विकास विभाग) का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य संस्थागत क्षमता को मजबूत करना, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और शहरी शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है, ताकि तेजी से बदलती और विविध शहरी जरूरतों पर बेहतर तरीके से ध्यान दिया जा सके। मनोहर लाल ने कहा कि मंत्रालय की शहरी नियोजन संबंधी सभी पहल का लक्ष्य देश में रहने योग्य, आपदा-रोधी और नागरिक-केंद्रित शहरों का विकास करना है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने और संतुलित शहरी विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी शहरी नियोजन, मजबूत शहरी प्रशासन, जल सुरक्षा और निरंतर क्षमता निर्माण बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सरकार शहरी विकास के लिए समग्र दृष्टिकोण अपना रही है, जिसमें शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे का विकास, बेहतर प्रशासन और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाओं को एकीकृत किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करना और ऐसे शहर विकसित करना है जो पर्यावरण के अनुकूल, आर्थिक रूप से मजबूत और आधुनिक तकनीक से लैस हों। मंत्री ने कहा कि भारत के शहरों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सहयोगात्मक नीति निर्माण और रचनात्मक संवाद की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पत्नी और तीन बेटों की हत्या पर पति को फांसी, 2 लाख जुर्माना भी

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक जघन्य हत्याकांड के दोषी को अपर सत्र न्यायाधीश परमेश्वर प्रसाद की अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने पत्नी और तीन मासूम बेटों की गला रेतकर निर्मम हत्या करने वाले जितेंद्र कुशवाहा को फांसी की सजा के साथ-साथ दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह वीभत्स घटना 26 अगस्त, 2021 को कसया थाना क्षेत्र के कुड़वा दिलीप नगर के गुरमिया गोपाल टोला में घटी थी। दोषी जितेंद्र कुशवाहा ने अपनी पत्नी लीलावती और बेटों आकाश (8), विकास (6) व रिंकू (4) का धारदार हथियार (सब्जी काटने वाला पहसुल) से गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना की जानकारी मृतक लीलावती के पिता रामजीत कुशवाहा ने पुलिस को दी थी, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था और धारदार हथियार भी बरामद किया गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) ने बताया कि इस मामले में कुल 12 गवाहों की गवाही हुई। सभी साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने जितेंद्र कुशवाहा को दोषी करार दिया।

कर्नाटक के मंत्री ने भाजपा विधायक को सुना दी खरी-खरी, राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी पर मचा घमामान

चैन्नई (एजेंसी)। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यूटी खादर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा विधायक यशपाल सुवर्ण की कथित विवादित टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि उडुपी के विधायक के पास कांग्रेस नेता पर इस तरह की टिप्पणी करने की कोई नैतिक या राजनीतिक साख नहीं है। खादर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अपमानजनक बयान तटीय कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपरा को नहीं दर्शाते। उन्होंने इसे क्षेत्र की लोकतांत्रिक चर्चा पर एक ''काला धब्बा बताया और कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने बयानों में गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए। यह विवाद मंगलवार को उडुपी में आयोजित भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान सामने आया, जहां यशपाल सुवर्ण ने राजनीतिक मुद्दों को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उनकी टिप्पणियों के बाद कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताई गई।यूटी खादर ने कहा कि तटीय कर्नाटक में लंबे समय से राजनीतिक मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हमले लोकतांत्रिक व्यवस्था और निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति जनता के भरोसे को कमजोर करते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नीतियों और मुद्दों पर बहस करें, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचें। खादर ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन उसे सम्मानजनक भाषा और स्वस्थ संवाद के जरिए व्यक्त किया जाना चाहिए।

19 साल बाद कोलकाता लौटेंगी तसलीमा नसरीन

कोलकाता (एजेंसी)। करीब 19 साल के लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेशी लेखिका तसलीम नसरीन एक बार फिर कोलकाता लौट रही हैं। अपनी चर्चित किताब 'द्विखंडितो'को लेकर हुए विरोध और विवाद के बाद वर्ष 2007 में उन्हें कोलकाता छोड़ना पड़ा था। अब 1 अगस्त को वह शहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगी, जिसे वह कभी अपना दूसरा घर मानती थीं। वापसी को लेकर तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वह अपने ही देश लौट रही हैं। उनके अनुसार, बंगाल उनके लिए कभी सीमाओं या कंटीले तारों में बंटा हुआ नहीं रहा। पूर्वी बंगाल का हिस्सा भले ही उनके लिए बंद हो गया हो, लेकिन पश्चिम बंगाल आज भी उनके लिए अपना घर है।

तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से कोलकाता नहीं छोड़ा था, बल्कि परिस्थितियों के कारण उन्हें शहर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि कोलकाता केवल रहने की जगह नहीं थी, बल्कि वहां उनके दोस्त, पाठक और अपनापन था। उनके मुताबिक, उनसे जीवन के 19 महत्वपूर्ण साल छिन गए, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। लेखिका ने अपनी वापसी को अभिव्यक्ति की आजादी की जीत बताया। उन्होंने कहा कि धमकियां और कट्टरपंथी विरोध किसी लेखक को जगह छोड़ने के लिए मजबूर कर सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को खत्म नहीं कर सकते। उन्होंने लेखकों के सामने मौजूद मौजूदा चुनौतियों पर भी बात की। तसलीम नसरीन ने कहा कि तकनीक ने जहां विचार व्यक्त करने के नए रास्ते खोले हैं, वहीं ऑनलाइन ट्रोलिंग और संगठित विरोध के जरिए लेखकों को डराने के तरीके भी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और परंपरा के नाम पर महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश आज भी जारी है। हालांकि, उन्होंने युवा पीढ़ी और महिलाओं में बढ़ती सवाल करने की प्रवृत्ति को बदलाव की उम्मीद बताया। उनका कहना है कि सामाजिक परिवर्तन विरोध और बहस के जरिए ही आगे बढ़ता है। नई पीढ़ी और नए लेखकों को संदेश देते हुए तसलीम नसरीन ने कहा कि हर मुद्दे पर सवाल करना चाहिए, चाहे वह धर्म, सत्ता, राजनीति या परंपरा से जुड़ा हो। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे दूसरों के पूर्वाग्रहों को अपनी सोच का आधार न बनाएं। तसलीम नसरीन को उम्मीद है कि उनका कोलकाता दौरा केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा और वह भविष्य में इस शहर में बिना किसी डर के आ-जा सकेंगी।

बांका में श्रावणी मेले का हुआ आगाज, कांवड़िया पथ पर उमड़ा जन सैलाब

पटना(एजेंसी)। बिहार के बांका में श्रावणी मेले का आगाज हो चुका है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़िया पथ पर बोलबम और हर-हर महादेव के जयघोष लग रहे हैं। श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन की ओर से कांवरिया पथ पर व्यापक तैयारियां की गई है। मेला शुरू होते ही सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी पर सक्रिय हो गए। जिला सीमा स्थित बदुआ नदी तट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। वॉच टावर से निगरानी की जा रही है, जबकि भ्रमणशील पुलिस दस्ता भी पूरे कांवरिया पथ पर गश्त कर रहा है। पर्यटन विभाग एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा स्थापित सूचना केंद्रों ने भी काम करना शुरू कर दिया है, जहां श्रद्धालुओं को जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। पीएचईडी विभाग की ओर से बनाए गए शौचालय और स्नानागार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोल दिए गए हैं। जोरीपार और शिवलोक में भी प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती दिखीं। जिलेबिया मोड़ स्थित उपनियंत्रण कक्ष ने भी कार्य शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग का चिकित्सा शिविर भी चालू हो गया है, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार और उपलब्ध कराया जा रहा है। सावन माह का पहला दिन होने के कारण गुरुवार दोपहर तक कांवड़िया पथ पर भीड़ अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन शाम तक श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी।

तीस्ता विवाद पर भारत की नई कूटनीति हो रही सफल !

भारत से छीनकर चीन को दिया था तीस्ता प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से लंबित तीस्ता रिवर प्रोजेक्ट को लेकर कूटनीतिक गलियारों में एक बड़ा सकारात्मक अपडेट सामने आया है। ढाका में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने इस संवेदनशील विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत का एक नया रास्ता निकाला है। यह पहल ऐसे समय में हुई है जब बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट भारत के हाथ से फिसलकर चीन की झोली में जाने की चर्चाएं जोरों पर थीं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा था। बुधवार को ढाका में बांग्लादेश के नए विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान के साथ हुई दिनेश त्रिवेदी की हाई-प्रोफाइल बैठक के बाद जारी बयान ने चीन से लेकर बांग्लादेश तक हलचल तेज कर दी है। इस मुलाकात का सबसे बड़ा केंद्र तीस्ता नदी प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि जैसे संवेदनशील विवाद रहे। पत्रकारों द्वारा भारत से छिनते दिख रहे तीस्ता प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि के नवीनीकरण जैसे लंबित मुद्दों पर सवाल पूछे जाने पर भारतीय उच्चायुक्त ने बहुत सहजता से स्थिति को संभाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मुलाकात भले ही मुख्य रूप से एक शिष्टाचार भेंट थी, लेकिन भारत और बांग्लादेश के बीच ऐसा कोई भी मसला नहीं है जिसे दोनों देश आपस में बैठकर बातचीत से हल न कर सकें। त्रिवेदी ने स्पष्ट किया कि आखिरकार बात दोनों देशों के लोगों की है। जो भी दोनों लोकतंत्रों और उनके नागरिकों के हित में होगा, उसे ही प्राथमिकता दी जाएगी। उनके इस बयान से साफ संकेत मिलता है कि तीस्ता प्रोजेक्ट को लेकर भारत ने बातचीत का एक नया रास्ता खोल दिया है, जिससे बांग्लादेशी हुकूमत और कूटनीतिक हलकों में नई हलचल शुरू हो गई है।

भारतीय उच्चायुक्त ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात का अपडेट देते हुए लिखा कि उन्होंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि भारत पारस्परिक हितों एवं आपसी लाभ पर आधारित एक सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुख द्विपक्षीय साझेदारी के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लोगों से जुड़े सहयोग को सभी क्षेत्रों में और गहरा करने पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उच्चायुक्त ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद चिनॉय से भी मुलाकात की, जहां भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों से अलग-अलग मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं हर चीज को सकारात्मक नजरिए से देख रहा हूं। हमारी बेहद सकारात्मक और सार्थक बैठक हुई।

पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे संसद, राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने डाला चंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन शुक्रवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में हाथ में दानपेटी लेकर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का प्रतीकात्मक नेतृत्व किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई सांसदों ने दानपेटी में चंदा डालकर इस मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने हाथों में बैनर और तख्तियां भी थाम रखी थीं। एक प्रमुख बैनर पर लिखा था, अमित शाह संसद से गायब क्यों? विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। सांसदों ने आरोप लगाया कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। मानसून सत्र के दौरान विभिन्न राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार टकराव देखने को मिल रहा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर शुक्रवार का प्रदर्शन भी इसी राजनीतिक गतिरोध का हिस्सा रहा, जिससे संसद की कार्यवाही भी एक बार फिर बाधित हुई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने में सीजेआई की भूमिका क्यों नहीं?

-सुप्रीम कोर्ट ने किए तीखे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग केवल स्वतंत्र रूप से काम करे, इतना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी स्वतंत्रता जनता को स्पष्ट रूप से दिखाई भी देनी चाहिए। इसी संदर्भ में कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि जब सीबीआई निदेशक और लोकपाल के चयन पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को शामिल किया जाता है, तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति समिति से उन्हें बाहर रखने का आधार क्या है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केंद्र सरकार की उस मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें मामले को बड़ी संविधान पीठ के पास भेजने का अनुरोध किया गया है। अदालत 2023 के उस कानून की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई कर रही है, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अंतरिम व्यवस्था के तौर पर निर्देश दिया था कि संसद कानून बनने तक नियुक्तियां प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश और विपक्ष के नेता की समिति की सिफारिश पर हों। बाद में संसद ने नया कानून बनाकर मुख्य न्यायाधीश की जगह एक केंद्रीय मंत्री को चयन समिति में शामिल कर दिया।

केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि संसद के विधायी विवेक पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उनका तर्क था कि किसी अन्य मॉडल की संभावना मात्र से संसद के बनाए कानून को गलत नहीं ठहराया जा सकता। सरकार ने यह भी कहा कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तीनों संविधान के स्वतंत्र अंग हैं और एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र का सम्मान किया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्णयों पर लोकतांत्रिक व्यवस्था में भरोसा किया जाना चाहिए और यह मानकर नहीं चला जा सकता कि सरकार निष्पक्षता से काम नहीं करेगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामला प्रधानमंत्री पर अविश्वास का नहीं, बल्कि संस्थागत निष्पक्षता का है। अदालत ने कहा कि जैसे न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए बल्कि होता हुआ भी दिखाई देना चाहिए, उसी प्रकार चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी दिखनी चाहिए।

तृणमूल के बागी सांसदों की बैठक से तीन सांसदों ने बनाई दूरी

वापसी की अटकलों के बीच सियासत तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित सांसदों की बैठक, जिसे मंगल मिलन नाम दिया गया था, अब राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई है। इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर नया मोर्चा बनाने वाले बागी सांसदों को भी आमंत्रित किया गया था। अधिकांश बागी सांसद बैठक में पहुंचे, लेकिन तीन सांसदों की अनुपस्थिति ने नए राजनीतिक संकेतों को जन्म दे दिया।

जानकारी के अनुसार, बैठक से दूरी बनाने वालों में यूसुफ पठान, अबू ताहेर खान और खलीलुर रहमान शामिल हैं। ये तीनों सांसद उस दिन संसद में मौजूद थे, लेकिन एनडीए की बैठक में शामिल नहीं हुए। उनकी गैरमौजूदगी की पुष्टि केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी की। इसके बाद इन सांसदों की राजनीतिक रणनीति और भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

इस घटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने दावा किया कि ये तीनों सांसद एनडीए की विचारधारा से सहज नहीं हैं और पार्टी में वापसी का रास्ता तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वे तृणमूल कांग्रेस में लौटना चाहते हैं तो औपचारिक आवेदन दे सकते हैं, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व इस पर विचार करेगा। रॉय ने यह भी कहा कि ये सांसद स्वतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सोच रखते हैं तथा एनडीए के साथ उनका वैचारिक मेल नहीं बैठता। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने अपने बागी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग और तेज कर दी है। पार्टी ने लोकसभा अध्यक्ष से दल-बदल विरोधी कानून के तहत बागी सांसदों को तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग की है। तृणमूल का आरोप है कि केंद्र सरकार सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर पार्टी में विभाजन कराने का प्रयास कर रही है।

इसी मुद्दे को लेकर संसद परिसर में तृणमूल के निलंबित सांसद कल्याण बनर्जी ने सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने गले में 20 गद्दार लिखा पोस्टर पहनकर बागी सांसदों के खिलाफ नाराजगी जताई और उन्हें तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग दोहराई। उधर, कोलकाता में तृणमूल नेता कुणाल घोष ने भी भाजपा और लोकसभा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर तृणमूल कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के टिकट पर चुने गए और बाद में अलग होकर नए समूह में शामिल हुए 20 सांसदों के खिलाफ दल-बदल कानून के तहत तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

तीन सांसदों की बैठक से गैरहाजिरी और तृणमूल की ओर से वापसी के संकेतों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि ये सांसद आगे किस राजनीतिक राह का चयन करते हैं और दल-बदल कानून के तहत लंबित कार्रवाई पर क्या फैसला होता है।

सीजेपी का तंज कहा- कंगना ही नहीं सभी को होना चाहिए स्टूडेंट ऑफ लाइफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन में प्रदर्शनकारियों पर टिप्पणी को लेकर बीजेपी सांसद कंगना रनौत और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कंगना की ओर से सौरव दास की छात्र होने की स्थिति पर सवाल उठाए जाने के बाद अब दास ने पलटवार करते हुए उन्हें सीखने की सलाह दी है। सौरव दास ने कहा कि वह छात्र नहीं बल्कि पत्रकार हैं और उन्होंने कभी खुद को छात्र नहीं बताया। उन्होंने कहा कि वह 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ हैं और हर व्यक्ति को जीवनभर सीखते रहना चाहिए। दास ने कंगना पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी यह समझना चाहिए कि उम्र बढ़ने से समझदारी नहीं आती, बल्कि सीखने की इच्छा से आती है। दास ने कहा, मैं पत्रकार हूं और मैंने कभी छात्र होने का दावा नहीं किया। मैं स्टूडेंट ऑफ लाइफ हूं। हर व्यक्ति को ऐसा होना चाहिए, क्योंकि लगातार सीखने से ही सोच और समझ विकसित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति की उम्र अधिक होने के बावजूद अगर वह नई चीजें सीखना बंद कर देता है तो उसकी समझ सीमित रह जाती है। दरअसल, विवाद तब शुरू हुआ जब कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सौरव दास की उम्र और छात्र होने के दावे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि इंटरनेट पर जानकारी के मुताबिक दास 28 वर्ष के हैं और फिर भी खुद को छात्र बताते हैं, जो समझ से परे है। कंगना ने अपने सार्वजनिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा था कि वह कम उम्र से ही काम कर रही हैं और उन्हें अपने करियर की उपलब्धियों पर गर्व है। कंगना ने दास को बेरोजगार बताते हुए उन्हें कोई कौशल सीखने और कमाई पर ध्यान देने की सलाह भी दी थी। इसके जवाब में दास ने कहा कि कंगना को उनकी ही पार्टी में गंभीरता से नहीं लिया जाता और नई पीढ़ी भी उनकी बातों को महत्व नहीं देती। इससे पहले कंगना ने संसद में सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर टिप्पणी करते हुए प्रदर्शन में शामिल युवतियों पर आपत्तिजनक आरोप लगाए थे। इसके बाद सीजेपी और कंगना के बीच राजनीतिक और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

पेपर लीक पर नया कानून और सख्त: परीक्षा माफिया पर शिकंजा कसने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और संगठित नकल के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के मकसद से केंद्र की मोदी सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा से पारित कराया है। यह विधेयक 2024 के एंटी-पेपर लीक कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लाया गया है। केंद्र सरकार का मानना है कि नए प्रावधान परीक्षा माफिया पर कड़ी कार्रवाई, समयबद्ध जांच और दोषियों को शीघ्र सजा सुनिश्चित करने वाले है। जिससे सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल होगा।

संशोधन के तहत, पेपर लीक या अन्य अनुचित साधनों में शामिल व्यक्तियों के लिए सजा को तीन से पांच वर्ष के बजाय अब पांच से 10 वर्ष तक बढ़ाया गया है। अधिकतम जुर्माना भी 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है। वहीं, यदि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी, आईटी कंपनी, प्रिंटिंग एजेंसी या अन्य सेवा प्रदाता धोखाधड़ी में शामिल होते हैं, तब उन पर पांच करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकेगा। संगठित परीक्षा माफिया के खिलाफ भी कानून को अधिक कठोर किया गया है। इसतरह के मामलों में न्यूनतम सजा अब सात वर्ष और जुर्माना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया गया है। दोषी पाए जाने वाले सेवा प्रदाताओं को आठ वर्ष तक किसी भी सार्वजनिक परीक्षा से जुड़े कार्य से प्रतिबंधित रखा जा सकेगा, जिससे उन्हें भविष्य में इसतरह के कृत्यों से रोका जा सके।

जांच प्रक्रिया को समयबद्ध और अधिक कुशल बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच दो माह के भीतर पूरी करने तथा आरोपपत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर मुकदमे के निपटारे का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतें नामित की जाएंगी। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र सरकार विशेष जांच दल (एसटीएफ) का गठन भी कर सकेगी। यह कानून यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड, आईबीपीएस तथा एनटीए द्वारा आयोजित नीट, जेईई, सीयूईटी सहित केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित सभी प्रमुख सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन ही तय करेगा कि यह पेपर लीक और परीक्षा माफिया पर कितनी प्रभावी रोक लगा पाता है।

शिंदे की सेना के नेता हो रहे दीपके के फैन, होने लगी मुलाकात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल शिवसेना के विधान परिषद सदस्य बच्चु कडू ने गुरुवार को छत्रपति संभाजीनगर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके से मुलाकात की। कडू ने स्पष्ट किया कि यह मुलाकात निजी तौर पर हुई है और इसका उनकी पार्टी या सरकार से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने खुद को एक आंदोलनकारी बताते हुए कहा कि वह दूसरे आंदोलनकारी से मिलने आए हैं। कडू ने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने और छात्रों के मुद्दों को उठाने के लिए अभिजीत दीपके की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना किसी भी व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है और आंदोलन करना कोई अपराध नहीं है।

दीपके को मिल रही कथित धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कडू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को उन लोगों से बातचीत करनी चाहिए जो धमकियां दे रहे हैं और गलत व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलन को दबाने के बजाय उसकी बात सुनी जानी चाहिए।

इससे पहले महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट भी अभिजीत दीपके से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने दीपके के लिए सुरक्षा की मांग उठाई थी। शिरसाट छत्रपति संभाजीनगर के वालुज एमआईडीसी क्षेत्र में दीपके के परिवार से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि हर माता-पिता की तरह दीपके के परिवार को भी उसकी सुरक्षा की चिंता है।

शिरसाट ने कहा था कि अभिजीत दीपके ने एक नई पहल शुरू की है और उनके प्रयासों पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि दीपके के महाराष्ट्र लौटने पर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से चर्चा की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया था कि उन्होंने पहले परिवार से मुलाकात इसलिए नहीं की थी, क्योंकि इसे राजनीतिक रंग दिया जा सकता था। दीपके ने बोस्टन विश्वविद्यालय से जनसंपर्क विषय की पढ़ाई की है। शिरसाट के अनुसार, उन्हें अमेरिका में नौकरी का अवसर भी मिला था, लेकिन उन्होंने छात्रों के लिए काम करने का रास्ता चुना। मंत्री ने कहा कि दीपके के माता-पिता चाहते थे कि वह नौकरी करें, लेकिन उन्होंने सामाजिक मुद्दों को प्राथमिकता दी।

शिरसाट ने यह भी कहा कि दीपके का आंदोलन छात्रों की मांगें पूरी होने के बाद खत्म हो गया, लेकिन उनके प्रयास ने एक बड़े बदलाव की शुरुआत की। उन्होंने दावा किया कि दीपके का राजनीति से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने आंदोलन का श्रेय लेने के बजाय समाज के समर्थन को महत्व दिया। इस बीच, कडू की मुलाकात के बाद मामले ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर चर्चा तेज कर दी है।

संसद में वंदे मातरम बिल पास होने के साथ जानें अपमान करने पर होगी कितनी सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को दोनों सदनों ने पारित कर दिया। इस ऐतिहासिक विधेयक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का जानबूझकर अपमान करने को राष्ट्रीय गान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान से जुड़े मौजूदा प्रावधानों के समान ही दंडनीय अपराध बनाना है।

सदन में तीखी बहस और विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच यह विधेयक दोनों सदन से पारित हुआ। इस नए कानून के लागू होने के बाद, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करता है या इस गाने में बाधा डालता है, तब उस गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें तीन साल तक की जेल, जुर्माना, या दोनों की सजा का प्रावधान है। यह कदम राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही वंदे मातरम को भी कानूनी सुरक्षा देगा। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग कर सदन से वॉकआउट कर दिया। सीपीआई(एम) के जॉन ब्रिटास और कांग्रेस के प्रमोद तिवारी सहित कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ़ ऑर्डर उठाने का प्रयास किया, लेकिन उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने सदन में व्यवस्था न होने का हवाला देकर इसकी अनुमति नहीं दी। आप के संजय सिंह ने विधेयक का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि इस उस पार्टी द्वारा पेश किया गया है जिसके मूल संगठन ने कभी अपने मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया।

लेकिन गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के विरोध का जवाब देकर कहा कि यह संशोधन केवल एक विधायी बदलाव नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने वंदे मातरम के गहरे ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें 1875 में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा इसकी रचना, 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसका गायन और सरला देवी चौधरानी द्वारा 1905 में इसका पूरा संस्करण प्रस्तुत करना शामिल है। राय ने 1937 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा गीत को केवल दो छंदों तक सीमित करने के फैसले की आलोचना की और 1938 में सुभाष चंद्र बोस के इसके पूर्ण संगीत संयोजन को तैयार कराने के प्रयासों का भी जिक्र किया। राय ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पहल पर 1947 में स्वतंत्रता दिवस पर ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित पूरे गीत और 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें वंदे मातरम और राष्ट्रगान को समान दर्जा दिया गया था। उन्होंने कहा कि बिल का विरोध करना राष्ट्रीय नेताओं के विचारों को नजरअंदाज करने और तुष्टीकरण की राजनीति के समान है। मोदी सरकार में मंत्री ने चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाकुल्लाह खान जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने अपने अंतिम क्षणों में वंदे मातरम का नारा लगाया था। राय ने तर्क दिया कि गीत का विरोध करने से उन लोगों का मनोबल बढ़ता है जो भारत के टुकड़े करने के नारे लगाते हैं। उन्होंने बिल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन से जोड़ते हुए राजनीति से ऊपर उठकर उठाया गया कदम बताया, जो भारतीय लोगों की भावनाओं को दर्शाता है। तीखी बहस और विपक्ष के वॉकआउट के बाद, विधेयक को दोनों सदनों ने पारित कर दिया।

सिर पर पहला वार, फिर लगातार प्रहार, भाई को कुल्हाड़ी से काट डाला; चाचा की जमीन भी बनी रंजिश की वजह

इटावा। इटावा जिले के बकेवर थाना इलाके के चिकनी गांव में मंगलवार सुबह मकान निर्माण के विवाद में एक व्यक्ति की उसके चचेरे भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने वारदात के तीन घंटे बाद मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के आलाधिकारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने एसओ विपिन मलिक और कस्बा इंचार्ज कौशल किशोर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव उठाने से रोक दिया। पांच घंटे की मान-मनौव्वल के बाद एसओ और कस्बा चौकी चार्ज के निलंबन के आश्वासन पर परिजन माने और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। विनय कुमार उर्फ वकील (53) अपने मकान के कुछ हिस्से की छत डलवाने की तैयारी कर रहे थे। दीवार की जगह को लेकर उनका चचेरे भाई रामकुमार से करीब एक महीने से विवाद चल रहा था। रामकुमार उस जगह को अपनी बताता था, जबकि राजस्व दल की नाप-जोख में वह विनय की जमीन पर पाई गई थी। बावजूद आरोपी लगातार विरोध कर रहा था और कुछ दिन पहले दीवार बनने के दौरान भी हंगामा किया था। मंगलवार सुबह छत डलते समय कुछ सीमेंट मसाला रामकुमार के शौचालय की टिन पर गिर गया। इसी बात पर रामकुमार और विनय में विवाद हो गया। करीब साढ़े आठ बजे रामकुमार कुल्हाड़ी लेकर विनय के घर पहुंच गया। दोनों के बीच कहासुनी के बाद आरोपी ने विनय के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार किए। गंभीर चोट लगने से विनय की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन घंटे के भीतर आरोपी रामकुमार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीशचंद्र, सीओ रामदवन मौर्य, एसडीएम काव्या सी और तहसीलदार दिलीप कुमार पहुंचे। परिजन और ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बाद भी एसओ विपिन मलिक और कस्बा इंचार्ज कौशल किशोर ने कोई कार्रवाई नहीं की। मृतक के भाई अनिल करीब एक बजे फिरोजाबाद से वापस आए। उन्होंने भी दोषी पुलिस कर्मियों के निलंबन की मांग की। पुलिस अधिकारियों को परिजनों को समझाने में करीब पांच घंटे लगे। निलंबन के आश्वासन के बाद ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा सका। एसपी ग्रामीण श्रीश चंद ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच मकान निर्माण को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोपी के खिलाफ पहले भी शांतिभंग की कार्रवाई की गई थी। हत्या के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी रामकुमार उर्फ गुड्डू को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। कुल्हाड़ी, तमंचा और कारतूस बरामद कर लिए गए हैं। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। एसओ और चौकी प्रभारी पर लगे आरोपों की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। गांव के लोगों ने बताया कि आरोपी ने पहले विनय के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया। जमीन पर गिरने के बाद भी उसने कई वार किए। वह तब तक हमला करता रहा, जब तक विनय ने दम नहीं तोड़ दिया। घटना को देखकर आसपास मौजूद लोग सहम गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीशचंद्र ने बताया कि हत्या के बाद फरार आरोपी रामकुमार की तलाश में पुलिस टीमों ने घेराबंदी की। चिकनी गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर सिंगौली-सैदपुर मार्ग पर नगला बरी के पास पुलिस का सामना आरोपी से हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी। उसे गिरफ्तार कर पहले महेवा सीएचसी और बाद में जिला अस्पताल रेफर किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब 30 वर्ष पहले जमीन विवाद में उसके पिता पर कुल्हाड़ी से हमला हुआ था। उसने उसी रंजिश की वजह से यह वारदात की। पुलिस इस दावे की जांच कर रही है। अनिल शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने मुख्य आरोपी रामकुमार उर्फ गुड्डू के अलावा उसके दो भाइयों महावीर और राजकुमार, बेटे आदित्य तथा दो वर्षों राधामोहन और राधाकृष्ण के खिलाफ हत्या समेत अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस सभी नामजद आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। विनय कुमार दो भाइयों में बड़े थे और अविवाहित थे। वह हाईवे स्थित एक फिटनेस सेंटर में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करते थे। अनिल शर्मा ने बताया कि उनके अविवाहित चाचा जिलेदार उनके साथ रहते थे। जिलेदार ने अपने हिस्से की जमीन भी विनय और अनिल के नाम कर दी थी। आरोप है कि इसी बात को लेकर रामकुमार परिवार से रंजिश रखता था। जमीन को लेकर पुरानी नाराजगी लगातार बढ़ती रही। विनय अपने भतीजे देव को बेटे की तरह स्नेह करते थे। विनय की हत्या के बाद देव का रो-रोकर बुरा हाल है। इटावा के चिकनी गांव में 27 जुलाई को मकान निर्माण के विवाद में विनय कुमार उर्फ वकील की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद परिजनों का गुस्सा पुलिस की कार्यशैली पर फूट पड़ा। मृतक के छोटे भाई अनिल शर्मा ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही के कारण यह घटना हुई। परिजनों और ग्रामीणों ने करीब पांच घंटे तक शव नहीं उठने दिया। उन्होंने दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अनिल शर्मा ने बताया कि करीब 28 जून से उनके चचेरे भाई रामकुमार उर्फ गुड्डू से मकान की दीवार और जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। यह मामला भरथना तहसील तक पहुंचा था। राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर नापजोख की थी। रिपोर्ट में संबंधित जमीन विनय और उनके परिवार की बताई गई थी। इसके बावजूद आरोपी रामकुमार लगातार विरोध करता रहा। करीब 17 जुलाई को रामकुमार हाथ में कुल्हाड़ी लेकर विनय के घर पहुंचा था। उसने जान से मारने की धमकी दी थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी, लेकिन पुलिस ने केवल शांतिभंग की कार्रवाई की। पुलिस ने 24 जुलाई को रामकुमार के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की थी। इसके बाद भी उसकी गतिविधियों पर कोई निगरानी नहीं रखी गई। आरोपी लगातार धमकियां देता रहा और परिवार भय के साये में जी रहा था। 26 जुलाई की रात करीब नौ बजे रामकुमार ने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया था। पुलिस और कस्बा इंचार्ज गांव पहुंचे, लेकिन केवल समझाइश देकर लौट गए। 23 जुलाई को भी रामकुमार कुल्हाड़ी लेकर गली में घूम रहा था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस को इस वीडियो की जानकारी थी, फिर भी कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

गले में रस्सी फंसने से नौ वर्षीय बालक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

औरैया। कस्बा अजीतमल के गांधीनगर मोहल्ले में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में गले में रस्सी फंस जाने से नौ वर्षीय बालक की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मूल रूप से गोपालपुर निवासी पवन कुमार दुबे पुत्र रविंद्र कुमार दुबे हाईवे के पास गांधीनगर में रहते हैं और गांधीनगर बिजली घर के पास दुकान चलाते हैं। बुधवार दोपहर पवन कुमार दुकान पर थे, जबकि पत्नी छत पर कपड़े सुखाने गई थीं और बेटी बाहर खेल रही थी। इसी दौरान आदित्य झूला डालने की जिद करते हुए हाथ में रस्सी लेकर घूम रहा था। मां ने उसे डांटते हुए पढ़ाई करने के लिए कहा, जिसके बाद वह कमरे के अंदर चला गया। बताया कि कमरे में उसने झूला बनाने के उद्देश्य से रस्सी का फंदा बनाकर छत के कुंडे में फंसाने का प्रयास किया। इसी दौरान रस्सी उसके गले में फंस गई, जिससे वह बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। कुछ देर बाद बहन कमरे में पहुंची तो भाई को अचेत अवस्था में पड़ा देखकर शोर मचाया। परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अजीतमल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर अजीतमल कोतवाली पुलिस सीएचसी पहुंची और शव का पंचनामा भरने की कार्रवाई की। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया बालक की मौत गले में रस्सी फंसने से हुई है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया था, इसलिए पंचनामा भरकर शव उनके सुपुर्द कर दिया गया।

एचटी लाइन में सरिया छूने से दो भाइयों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कन्नौज। सदर कोतवाली क्षेत्र के करनपुर में बुधवार को एक आइसक्रीम फैक्टरी में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब बड़ा भाई चोक नाली को खोलने के लिए छत से सरिया उतार रहा था और नीचे छोटा भाई उसे पकड़े था। अचानक सरिया मकान के पास से गुजरी हाईटेंशन लाइन में छू गया, जिससे दोनों करंट की चपेट में आकर काल के गाल में समा गए। जलालाबाद क्षेत्र के गांव मूसरि निवासी जितेंद्र कुमार सदर कोतवाली के करनपुर में किराये का मकान लेकर परिवार के साथ रहते हैं। इसी मकान में आइसक्रीम फैक्टरी चलाते हैं। नाली साफ करने के लिए जितेंद्र के बड़े बेटे सुमित (19) ने छत से 35 फीट लंबा सरिया नीचे लटकाया। सरिया ढाई इंच वाला होने के कारण काफी लपक रहा था। नीचे खड़े छोटे भाई सुमित (17) ने जैसे ही सरिया को पकड़ा। तभी सरिया मकान के निकट से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया और तेज करंट से दोनों भाई गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही गिर पड़े। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। बिजली बंद करवाकर दोनों को जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। जितेंद्र के दोनों बेटों की मौत के बाद अब केवल एक बेटी बची है। वहीं भाइयों की मौत से गांव में भी मातम छा गया। परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों के सुपुर्द किए। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम कराने को तैयार नहीं हैं।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री जुल्फिकार अली के बेटे मो. इस्माइल, प्रॉपर्टी नंबर 193 (खसरा नंबर 38/6 ओर 38/7 में से 75 वर्ग गज जमीन) पर बने फ्लैट नंबर C-3, तीसरी मंजिल, सामने के बाईं ओर के हिस्से (बिना छत के अधिकार के) के मालिक हैं। यह प्रॉपर्टी गाँव झारोडा माजरा बुराड़ी, गली नंबर 4, संगम विहार, दिल्ली-110084 इलाके में स्थित है। वे इसके मालिक श्री आफ़ताब खान (पिता श्री रागिब अली) द्वारा 03.06.2025 को किए गए नोटराइज्ड GPA, SPA, ATS ओर वसीयत के आधार पर बने हैं। यह प्रॉपर्टी सुश्री फराह नाज (पिता श्री जमशेद अली) को बेची जा रही है और इसके लिए रोहा हाउसिंग फ़ाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.

Rahul Raj Pathak Advocate,
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: legal rahulraj@gmail.com.
Ph: 8130309204

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Gopal Bhadhana** is the owner of Residential House of Land admeasuring 200.00 Sq. Yds., out of Khasra No.430, Situated at Village Salarpur Khadar, Pargana, Tehsil Dadri, Distt:-Gautam Budh Nagar, U.P. by the virtue of Gift Deed dated 15.07.2025 which is registered as Doc. No. 6725, Book No.01, Volume No. 14788, on Page No. 73-92 on dated 15.07.2025 SRO-II-Noida and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Kamlesh, W/O Tilak Raj, R/O House no 373 gali no 1 than singh nagar anand parbat 110005 have changed my name to Kamlesh Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I Mangal legally wife of Army no - JC 462510X, RANK - SUB, NAME - KUMATHE YUVRAJ TUKARAM, Presently Residing, AT - CHINCHNER NIMB, POST- CHINCHNER NIMB, TEH - SATARA, DIST - SATARA STATE - MAHARASHTRA PIN -415001 have changed my name from MANGAL to MANGAL YUVARAJ KUMATHE for all future purposes, Vide affidavit dated 31/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I KUMATHE TUKARAM RAMU legally father of Army no - JC 462510X, RANK - SUB, NAME - KUMATHE YUVRAJ TUKARAM, Presently Residing, AT - CHINCHNER NIMB, POST- CHINCHNER NIMB, TEH - SATARA, DIST - SATARA STATE - MAHARASHTRA PIN -415001 have changed my name from KUMATHE TUKARAM RAMU to TUKARAM RAMU KUMATHE for all future purposes, Vide affidavit dated 31/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I PUTDABAI legally mother of Army no - JC 462510X, RANK - SUB, NAME - KUMATHE YUVRAJ TUKARAM, Presently Residing, AT - CHINCHNER NIMB, POST- CHINCHNER NIMB, TEH - SATARA, DIST - SATARA STATE - MAHARASHTRA PIN - 415001 have changed my name from PUTDABAI to PUTALABAI TUKARAM KUMATHE for all future purposes, Vide affidavit dated 31/07/2026 before Notary Delhi.

Lost and Found

I, Vineet jain S/O Late shri vijay pal Jain R/O house no 11, Ground Floor, Gujrawala Town, Delhi have Lost / Misplaced Original Conveyance Deed related to property no B4/72 Ashok Vihar phase 2 Delhi. IF anybody found please contact on 9899567001.my complaint is register police station Ashokvihar LR NO 292076/2026.

Public Notice

I, Meenu Biala Joshi and Meenu Joshi,w/o Vinod Kumar Joshi,D/o Late Sh . Bhaskar Rao Biala ,R/o 38 Vivekananda Puri Near Sarai Rohilla Police Station Delhi 110007 is one and same person.

16-17 साल के लड़कों ने चाकू से गोदकर किशोर को मारा, शव गड्ढे में फेंका; कबूला जुर्म

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में मंगलवार सुबह नाबालिग की चाकू मारकर हत्या करने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में 16 और 17 साल के दो नाबालिग लड़कों को दबोचा है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू और खून से सने कपड़े भी बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस की पूछताछ में दोनों आरोपी लड़कों ने बताया कि मृतक साद उर्फ नामी (16) दोनों आरोपी लड़कों को कुछ न कुछ कहकर चिढ़ाता था। पिछले दिनों आरोपियों ने चिढ़ाने का विरोध किया तो साद ने एक लड़के को थप्पड़ मार दिया। इस बात से खफा होकर दोनों आरोपी साद को बहाने से लोनी से दिल्ली लाए और वारदात को अंजाम दे दिया। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 11.30 बजे उनकी टीम को खबर मिली कि शास्त्री पार्क, डीडीए ग्राउंड के एक गड्ढे में एक शव पड़ा है। शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। उस समय मृतक की पहचान नहीं हो पाई। बाद में किसी तरह मृतक की पहचान बेहटा-हाजीपुर, लोनी, गाजियाबाद निवासी साद के रूप में हुई। साद परिवार के साथ बेहटा-हाजीपुर में रहता था। इसके परिवार में मां के अलावा भाई व बहनें हैं। साद एक फैक्टरी में नौकरी करता था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी फुटेज से पड़ताल हुई तो दोनों नाबालिग साद के साथ दिखाई दिए। पुलिस ने इसके आधार पर बेहटा-हाजीपुर में छापेमारी कर दोनों नाबालिग को दबोच लिया। आरोपी नाबालिगों ने बताया कि वह साद के साथ एक फैक्टरी में काम करते हैं। अक्सर साद उनको किसी न किसी बात पर चिढ़ाता रहता था। विरोध करने पर वह उनके साथ गाली-गलौज और यहां तक थप्पड़ मार देता था। घटना से कुछ दिन पहले भी साद ने एक लड़के को मारा था। सोमवार शाम को आरोपी साद को चप्पल दिलाने के बहाने लोनी से सीलमपुर एरिया में ले आए। यहां डीडीए पार्क में हत्या कर शव को गड्ढे में डाल दिया गया। बाद में दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। आरोपियों ने बताया है कि वह जान बूझकर साद को लोनी से दिल्ली लाए थे। उनका इरादा साद की हत्या करने का था। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Sushil Parkash Gupta and Mrs. Kamlesh Gupta** is/are the owner of Entire First floor, of property bearing no. S-401, admeasuring 300 Sq. yards i.e. 250.8 Sq. meters, situated at Greater Kailash-II, New Delhi- 110048 by the virtue of Sale Deed dated 30.09.2014 which is registered as doc. no. 5675, book no.1, vol. no. 812, Page no. 98 to 109, on 07.10.2010, SRO- VA, Hauz Khas and Intend to mortgage the said property with **Godrej Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, POOJA W/O ASHISH KUMAR R/O 25-26, GALI NO-7, SAINIK VIHAR PHASE-2, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, DELHI-110059. have changed my name to POOJA SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SAPNA W/o MOHD AHMED KHAN D/o MD NISHAR, R/o H NO-21-A, VISHWAKARMA PARK, NEAR URDU PRIMARY SCHOOL, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as NAHID FATIMA. I have changed only my name not my religion. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, No.-15677304F Rank-HAV Name-PALKAR DEEPAK VISHVANATH legal father of AMBIKA residing at-VPO-KOREGAON, MALI GALI, TEHSIL-KOREGAON, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415501, have changed my minor daughter's name from AMBIKA to AMBIKA DEEPAK PALKAR for all future purposes vide affidavit dated 31/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHIV MANGAL SHARMA S/o FATEH CHAND SHARMA MANGAL SHARMA R/O B-88, B-BLOCK, GREATER KAILASH-1, DELHI-110048. have changed my minor daughter's name from VEDANSHI to VEDANSHI SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Namita Singh W/o Santosh Singh R/o 554KA/41A, Arjun Nagar, Alambagh, Lucknow, Uttar Pradesh-226005 have changed the name of my minor son from Vatsalya to Vatsalya Pratap Singh.

NAME CHANGE

I hitherto known as SUNITA KUMARI JHA alias SUNITA JHA alias SUNITA SHANDILYA D/o MADHUSUDAN JHA, W/o SUMATI SHANDILYA, R/o CK 7/6A, Chanakya Rail Enclave, Near Tamil Nadu House, Chanakya Puri, South West Delhi, Delhi-110021,have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA SHANDILYA.

NAME CHANGE

I, VED PERKASH GAUR S/O BISHAN SAWROOP GAUR R/O C-147, OLD GUPTA COLONY RANI JHANSI GALI DELHI 110009, CHANGED MY NAME TO VED PRAKASH GAUR.

NAME CHANGE

I, MUKESH KUMAR S/O RAM AVTAR R/O E24-B 1ST FLOOR VISHNU GARDEN WEST DELHI 110018, CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM SAMDISHA TO SAMDISHA KUMARI.

NAME CHANGE

I, MUKESH KUMAR S/O RAM AVTAR R/O E24-B 1ST FLOOR VISHNU GARDEN WEST DELHI 110018, CHANGED MY MINOR SON NAME FROM MADHAV TO MADHAV KUMAR.

NAME CHANGE

I PUNAM legally wife of Army no - 2810163P, Rank - HAV, Name - HAJARE BHAGWAN ATMARAM, Presently Residing, At - ADGAON, Post- KOKALGAON, Teh - WASHIM, Dist - WASHIM, State-MAHARASHTRA Pin - 444505 have changed my name from PUNAM to PUNAM BHAGWAN HAJARE for all future purposes, Vide affidavit dated 30/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I,Geeta Verma,holder of the passport number(C9587812),resident of B-8,Sunder Apartment,Sector-14,Rohini,Delhi-110085,have corrected the spelling of my spouse's name from(Sanjay Kumar Verma) to (Sanjai Kumar Verma) vide affidavit dtd 31.07.2026 sworn before Notary Public Delhi.Both names refer to the same person.

NAME CHANGE

I, Ronak, S/O Janardan Ram, R/O 139/11, Gali No 1, Dayanand Nagar, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana- 124507 have changed my name to Ronak Sachdeva for all future purposes.

NAME CHANGE

I Rahul kumar jaisawal s/o rajesh kumar jaiswawal ,R/O room no. 10 ram awadh niwas near ,mateshwari bhavan Janta market shubhash road mumbai ,bhandup west , mumbai suburban , maharashtra 400078 i have changed my name to rahul jaiswal

NAME CHANGE

I sunil kumar s/o jagdish lal juneja R/O 446, sainik vihar, pitampura ,north west delhi,delhi-110034 i have changed my neme to sunil kumar juneja

NAME CHANGE

I, Vivek Agarwal, S/O Ajay Agarwal, R/O C-1087, Near Mother Dairy, Sushant Lok- 1, Galleria, DLF-IV, Gurgaon, Haryana- 122009 have changed my minor daughter's name from Kaina Agarwal to Kainah Agarwal for all future purposes.

बरेली में बीवी से परेशान मस्जिद के मुअज्जिन ने आग लगाकर दी जान

बरेली। बरेली के फतेहगंज पश्चिमी कस्बे के मोहल्ला अंसारी में हुसैनी मस्जिद के मुअज्जिन अब्दुल कादिर की आग से जलने के बाद बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार को हुई घटना के बाद एक फोटो भी वायरल हुआ था, जिसमें अब्दुल कादिर आग की लपटों के बीच गली में दौड़ते दिखाई दे रहे थे। आसपास के लोगों ने मिलकर आग बुझाई। अब अब्दुल की मौत से पहले का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह इलाज के दौरान अपनी हालत के लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराते हैं। अब्दुल कादिर ने वीडियो में स्पष्ट रूप से अपनी पत्नी पर ही आरोप लगाया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस अब इस वीडियो की जांच कर रही है। अब्दुल कादिर के दो बच्चे हैं।

NAME CHANGE

I, TANVEE daughter of No.-15677304F Rank-HAV Name-PALKAR DEEPAK VISHVANATH residing at- VPO-KOREGAON, MALI GALI, TEHSIL-KOREGAON, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415501, have changed my name from TANVEE to TANVEE DEEPAK PALKAR for all future purposes vide Affidavit dated 31/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME & DATE OF BIRTH CHANGE

I, MATADEEN SINGH Father of JC-474232F Rank-NB/SUB Name-SHANKAR SINGH RATHORE Residing at-VPO-THIKARIYA KHURD, PS-MAHAROT, TEHSIL-NAWA, DIST-NAGUR, RAJASTHAN-341509, have changed my name from MATADEEN SINGH to MATADEEN SINGH RATHORE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1959 instead of my correct date of birth as 01/11/1961, Vide Affidavit dated 31/07/2026 before Notary Public Delhi

NAME & DATE OF BIRTH CHANGE

I, ANAD KANWAR mother of JC-474232F Rank-NB/SUB Name-SHANKAR SINGH RATHORE Residing at-VPO-THIKARIYA KHURD, PS-MAHAROT, TEHSIL-NAWA, DIST-NAGUR, RAJASTHAN-341509, have changed my name from ANAD KANWAR to ANAND KANWAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1965, vide Affidavit dated 31/07/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Ashok Kumar S/o Late Mr. Roshan Lal is the owner and in possession of a Freehold Upper Ground Floor Part of Property MPL No. 211, Built up Plot No. 201, area measuring 99 Sq. Yds., situated at Gali No. 05, Padam Nagar, Kishan Ganj, Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Partition Deed Dated 10.06.2024 as Doc. No. 2024/19/I/6123, in Book No. 01, Vol. No. 10809, on Pages 37-52, on Dated 10.06.2024, SR- I, Kashmere Gate (Central). in the chain documents below mentioned document not available i.e., Death Certificate of Mr. Ram Saran Das Tuli, Death Certificate of Mrs. Kaushalya Devi & Mr. Ram Saran Das Tuli & SMC in the name of Legal heirs of Deceased Mr. Roshan Lal Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold too be Mrs. Meera and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Rohini Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, hitherto known as SAPNA W/o MOHD AHMED KHAN D/o MD NISHAR, R/o H NO-21-A, VISHWAKARMA PARK, NEAR URDU PRIMARY SCHOOL, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as NAHID FATIMA. I have changed only my name not my religion. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, No.-15677304F Rank-HAV Name-PALKAR DEEPAK VISHVANATH legal father of AMBIKA residing at-VPO-KOREGAON, MALI GALI, TEHSIL-KOREGAON, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415501, have changed my minor daughter's name from AMBIKA to AMBIKA DEEPAK PALKAR for all future purposes vide affidavit dated 31/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह संपत्ति Flat No. 106, Pocket-B-6, Sector-4, Rohini, Delhi-85 विवादित है तथा वर्तमान में न्यायालयों में विचाराधीन (Sub Judice) है। अतः कोई भी व्यक्ति इस संपत्ति में किसी भी प्रकार का अधिकार, हित, लेन-देन या तृतीय पक्ष हित (Third Party Interest) उत्पन्न न करे।

श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता इस संपत्ति के संबंध में अन्य व्यक्तियों के पक्ष में किसी प्रकार का हित या अधिकार उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में किसी भी प्रकार का हित या अधिकार प्राप्त करता है, तो वह ऐसा पूर्णतः अपने स्वयं के जोखिम एवं जिम्मेदारी पर करेगा।

दिनांक: 01-8-26
Deepali Aggarwal
C/O Flat no.121, Vasudha Apartment, Sector-9,Rohini,Delhi-85

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Smt. Jasvinder Kauris the owner and in possession of a Freehold Residential Plot No. D-57, admeasuring 70 sq. yds. Part of Khasra No. 1303, Situated at Charni Vihar Colony, in Village Chhapraula, Pragana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P.,., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 15.05.2026 vide Doc No. 24503, in Book No. I, Vol No. 34968, on Pages No. 205 to 224, on this dated 15.05.2026, SR- Dadri, G.B. Nagar., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 13.07.2015 executed by Smt. Vinod in favour of Smt. Saroj in respect of Plot No. D-57, admeasuring 70 sq. yds. Part of Khasra No. 1303, as vide Doc No. 14263., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Gurgaon Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

नहाने के दौरान चार साथी डूबे, तीन शव बरामद, चौथे युवक सचिन की तलाश जारी

नई दिल्ली। गीता कॉलोनी स्थित यमुना खादर में सोमवार शाम नहाने के दौरान डूबे चार लोगों में से तीन के शव बरामद कर लिए गए हैं। सोमवार रात 45 वर्षीय सोनू का शव मिलने के बाद मंगलवार सुबह तलाशी अभियान दोबारा शुरू किया गया, जिसमें पुलिस और गोताखोरों की टीम ने 22 वर्षीय हेमंत और 30 वर्षीय राजन के शव बरामद कर लिए। चौथे लापता युवक सचिन की तलाश अभी जारी है। उत्तर जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के अनुसार, सोमवार शाम गीता कॉलोनी यमुना खादर में चार लोग नहाने के लिए नदी में उतरे थे। पानी की गहराई और तेज बहाव के कारण चारों डूब गए। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल, एंबुलेंस और बोट क्लब के गोताखोर मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। गोताखोरों ने सोमवार रात सोनू को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंधेरा होने के कारण रात में तलाशी अभियान रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह दोबारा शुरू हुए अभियान में हेमंत और राजन के शव बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया कि सभी युवक गीता कॉलोनी इलाके के रहने वाले थे और आपस में दोस्त थे। चारों मजदूरी करते थे। बताया गया कि यमुना में उतरने से पहले उन्होंने शराब पी थी। इसके बाद वे नहाने चले गए और तेज बहाव में फंस गए। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

NAME CHANGE

I, TARUN KUMAR, S/O ASHOK KUMAR YADAV, R/O T-108,B/5, NEW PALA VIHAR PHASE-1, SECTOR-109, GURGAON, HARYANA-122017,HAVE CHANGED MY NAME TO TARUN KUMAR YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, MOHD ATRU KHAN, S/O SULE KHAN, R/O H.NO-262,VPO BISRU, TEHSIL PUHNANA, NUH MEWAT, HARYANA-122508,HAVE CHANGED MY NAME TO ATRU KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Tarfiya D/O Mohd. Zulfuqar R/O I-55,muradi Road, Batla House Jamia Nagar ,okhla , New Delhi- 110025 Have Changed My Name to Tarfiya Zulfuqar for All Future Purposes.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री कुषाग्र खोसला, शिवाजी एन्क्लेव, सेक्टर-जी, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली की लेआउट योजना में स्थित ब्लॉक त्रष्ट के फ्रीहोल्ड प्लॉट संख्या-21, क्षेत्रफल 274.50 वर्ग मीटर के स्वामी हैं। उन्होंने उक्त संपत्ति का स्वामित्व श्री सोहित खोसला से निष्पादित एवं पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 14.07.2022, दस्तावेज संख्या 9072, वॉल्यूम संख्या 26538, पृष्ठ संख्या 79 से 88, दिनांक 14.07.2022, कार्यालय उप-पंजीयक-II, बसई दारापुर, दिल्ली में पंजीकृत दस्तावेज के माध्यम से प्राप्त किया है, उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री ओम प्रकाश खोसला थे, जिन्हें स्लम एवं जे.जे. विभाग, एम.सी.डी. द्वारा आवंटन पत्र जारी किया गया था तथा उनके पक्ष में दिनांक 22.02.2000 को कन्वेयंस डीड निष्पादित एवं पंजीकृत की गई थी (दस्तावेज संख्या 18152, दिनांक 22.02.2000), इसके पश्चात श्री ओम प्रकाश खोसला ने पंजाब नेशनल बैंक से ऋण प्राप्त किया, किन्तु ऋण का भुगतान न कर पाने के कारण बैंक ने सरफेसी अधिनियम के अंतर्गत नीलामी की कार्यवाही करते हुए उक्त संपत्ति श्री सोहित खोसला को दिनांक 18.10.2021 के विक्रय प्रमाण-पत्र, दस्तावेज संख्या 11636, के माध्यम से विक्रय की, तत्पश्चात श्री सोहित खोसला ने उक्त संपत्ति दिनांक 14.07.2022 के पंजीकृत विक्रय विलेख, दस्तावेज संख्या 9072, के माध्यम से श्री कुषाग्र खोसला के पक्ष में हस्तांतरित कर दी। इस प्रकार श्री कुषाग्र खोसला ने उक्त संपत्ति पर वैध एवं निर्विवाद स्वामित्व प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में वे उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक भौतिक कब्जे में हैं, मेरे द्वारा परीक्षण हेतु प्रस्तुत अभिलेखों एवं उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर उक्त संपत्ति समस्त प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, कुर्की/संलग्नता, अधिग्रहण, न्यायालयीन वाद-विवाद तथा किसी भी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त प्रतीत होती है, उक्त संपत्ति पर RBL Bank Limited, बिल्डिंग संख्या-1, प्रथम तल, मोदी मिल कम्पाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा प्राधिकरण का उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अधिकार, दावा, हित, बंधक, प्रभार या आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर संबंधित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा अथवा आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि किसी को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति नहीं है तथा उसके पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, Neeraj Kumar S/o Adya Prasad Yadav, R/o SMQ C-135, First Floor, Camero Complex, Near Ganga Complex, Air Force Station, Subroto Park, South West Delhi-110010, have changed the name of my minor son AVYAN ARSHYA, aged 10 years and he shall hereafter be known as AVYAAN YADAV.

NAME CHANGE

I, SHIV MANGAL SHARMA S/o FATEH CHAND SHARMA R/O B-88, B-BLOCK, GREATER KAILASH-1, DELHI-110048. have changed my minor daughter's name from VEDANSHI to VEDANSHI SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHEIKH MOHAMMAD SHAKIR S/o ABDUL WAHAB R/O H NO-2562, GALI HAJI QAYAMUDDIN, BARADARI, SHER AFGAN, BALLIMARAN, DELHI-110006. have changed my name to MOHD SHAKIR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, DAL BAHADUR S/o RAM SAKAL R/o Som Bazar Pooja Colony Khurana Enclave, VTC : Loni Dehat, PO : Loni, , Dist Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed the name of my minor daughter ROOPA aged 15 years and She shall hereafter be known as KOMAL.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Smt. Sonali Aima** is the owner of Land Area measuring 5 Bighas 4 Biswas, bearing Khasra Nos.46//16/1 min West (1-09), 46//25 min (2-02), 76//5 min West (0-14) & 175 min (0-19), Situated in the revenue estate of Village Bijwasan, Tehsil Kapashera, New Delhi by the virtue of Gift Deed dated 03/01/2019 which is registered as doc no. 109, vol no. 9850, pages 191-196, SR-IX. and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दक्षिण हरियाणा में बने हाईकोर्ट की सर्किट बेंच,राज्यसभा में उठा मुद्दा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के राज्य सभा सांसद संजय भाटिया ने राज्य सभा में गुरुग्राम में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की सर्किट बेंच स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि यह केवल न्यायिक सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि सबके लिए सुलभ न्याय, न्यायिक विकेंद्रीकरण, निवेश प्रोत्साहन और इज़ ऑफ डुइंग बिजनेस से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का विषय है, जिस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। संजय भाटिया ने कहा कि वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट केवल चंडीगढ़ में स्थित होने के कारण गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह, पलवल, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ तथा दक्षिण हरियाणा के अन्य जिलों के लाखों वादकारियों, अधिवक्ताओं, उद्योगों, एमएसएमई और कॉरपोरेट संस्थानों को प्रत्येक मामले में चंडीगढ़ जाना पड़ता है। इससे मुकदमेबाजी की लागत बढ़ती है, समय की हानि होती है तथा न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिक जटिल बन जाती है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम आज देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख केंद्र बन चुका है। आईटी, कॉरपोरेट, वित्तीय सेवाओं, स्टार्टअप, विनिर्माण और औद्योगिक गतिविधियों का बड़ा हिस्सा यहां केंद्रित है।

रेलगाडियों में बचने वाले खाने का हो संग्रहण: रेखा शर्मा

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्य सभा सांसद रेखा शर्मा ने राज्य सभा में भारतीय रेल की खानपान व्यवस्था में प्रतिदिन बचने वाले अतिरिक्त एवं उपभोग योग्य भोजन के सुरक्षित उपयोग का मुद्दा उठाया। चंडीगढ़ में जारी जानकारी में उन्होंने बताया कि भारतीय रेल प्रतिदिन लाखों यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराती है। अनुमानित मांग के आधार पर भोजन तैयार होने के कारण कई बार निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप होने के बावजूद पर्याप्त मात्रा में भोजन बच जाता है, जो अंततः कूड़ेदान में चला जाता है। उन्होंने कहा कि यदि खाद्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए तो इस अतिरिक्त भोजन को रेलवे स्टेशनों पर कार्यरत कुलियों, सफाई कर्मचारियों, दिहाड़ी मजदूरों तथा अन्य जरूरतमंद लोगों तक एक सुव्यवस्थित व्यवस्था के माध्यम से पहुंचाया जा सकता है।

39 गांवों के लिए 284.18 करोड़ की पेयजल परियोजना को मंजूरी : रणवीर सिंह गंगवा

नारनौल। हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भवन एवं निर्माण मंत्री रणवीर सिंह गंगवा ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिले के 39 जल-अभावग्रस्त गांवों तथा नांगल चौधरी शहर समूह में स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 284 करोड़ 18 लाख रुपये की वृहद पेयजल संवर्धन योजना को सरकार ने तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। नारनौल में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। मंत्री ने बताया कि परियोजना को तीन पैकेजों में लागू किया जाएगा। पहले पैकेज का 53 करोड़ 47 लाख रुपये का कार्य आवंटित किया जा चुका है और निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है। योजना के तहत सिरोही बहाली, मुसनोता और असरावास में तीन नए स्वतंत्र जलघर (वाटर वर्क्स) बनाए जाएंगे। वहीं नांगल दर्गू और नांगल चौधरी (मोहनपुर) के मौजूदा जलघरों तक कच्चा पानी पहुंचाने के लिए नई राइजिंग मेन लाइन बिछाई जाएगी।

जनभागीदारी से ही स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनेगा जींद : डा. कृष्ण मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि जींद दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहरवासियों से स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने तथा नियमित सफाई व्यवस्था बनाए रखने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री के इसी संदेश को धरातल पर उतारने के लिए नगर परिषद ने शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा गुरुवार को नगर परिषद द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कूड़ा उठान कार्य में लगाए जाने वाले 57 वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व भी है। जन सहयोग के बिना किसी भी शहर को पूरी तरह स्वच्छ और सुंदर नहीं बनाया जा सकता। डा. मिड्ढा ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड से समय पर कूड़ा उठान सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक संसाधनों से युक्त 57 वाहनों का संचालन किया जाएगा। डिप्टी स्पीकर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे कूड़ा खुले स्थानों, सड़कों, नालियों अथवा सार्वजनिक स्थलों पर न फेंकें, केवल नगर परिषद के निर्धारित वाहनों में ही कूड़ा डालें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि अपने घर, गली और मोहल्ले की स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाए तो जींद को प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का लक्ष्य जींद को साफ.-सफाई व्यवस्था में प्रदेश के अग्रणी शहरों की श्रेणी में लाना है। इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध कूड़ा उठान, बेहतर संसाधनों का उपयोग तथा आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर नगर परिषद की चेयरपर्सन डा. अनुराधा सैनी ने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी वाहनों का रूटवार संचालन किया जाएगा ताकि किसी भी क्षेत्र में कूड़ा उठान का कार्य प्रभावित न हो।

हरियाणा अब देश का स्पोर्टस पावर हाउस बना: नायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश में स्पोर्टस का पावरहाउस बन गया है। हमारे प्रदेश की आबादी केवल देश की कुल आबादी की 2 प्रतिशत है लेकिन जब भी ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेल या राष्ट्रमंडल खेलों की बात होती है तो हरियाणा के सबसे अधिक खिलाड़ी मेडल जीतकर देश और प्रदेश का नाम ऊंचा करते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नई दिल्ली के भारतमंडपम में आयोजित स्पोर्टस फिटनेस और इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सपो में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि संकल्पों और सपनों का मेला है, जहां युवा शक्ति का सामर्थ्य साकार होता दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में खेलों को एक नई दिशा और एक नई पहचान दी है। फिट इंडिया, खेलो इंडिया आज के खेल केवल प्रतियोगिता का नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक अभियान बन चुका है।

फिटनेस केवल व्यक्तिगत आदत नहीं बल्कि आज विकसित भारत की आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि इस कार्यक्रम में हरियाणा के पदकों की कहानी नहीं दिखेगी बल्कि हरियाणा का खेल मॉडल भी आप लोगों को दिखाई देगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में खेलों

की संस्कृति दिखाई देती है और उनका विजन भी दिखाई देता है, जिसने इस छोटी सी धरती को भारत की सबसे बड़ी खेल शक्ति बना दिया है। देश की आबादी में हरियाणा की हिस्सेदारी 2फीसदी है लेकिन जब पदकों की हिसाब होता है तो हरियाणा सबसे आगे खड़ा दिखाई देता है। खिलाड़ियों में यह जज्बा हमारी मिट्टी से आता है। यहां बच्चा गोद में खेलना नहीं बल्कि खेल के मैदान में लड़ना सीखता है। संघर्ष उसकी घुट्टी होती है, जो उसे गांव की गलियों से विश्व के मंच तक ले जाने का काम करती है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ओलंपिक, एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को 6 करोड़ रुपये तक नकद पुरस्कार दे रही है।

पिछले 12 वर्षों में 17,182 खिलाड़ियों को 730 करोड़ रुपये सीधे उनके खातों में हस्तांतरित किए गए हैं। 8 से 14 वर्ष के खिलाड़ियों को 1,500 रुपये मासिक और 15 से 19 वर्ष तक के खिलाड़ियों को को 2,000 रुपये मासिक छात्रवृत्ति देने का प्रावधान किया गया है। हरियाणा सरकार ने 260 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ग्रुप ए, बी व सी श्रेणी में सीधी सरकारी नौकरी दी है। खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर बीते 12 वर्षों में लगभग 1,100 करोड़ रुपये व्यय किए हैं। प्रदेशभर में करीब 2,000 खेल नर्सरियां और 25 खेल अकादमियां संचालित, जहां प्रतिदिन 500 रुपये प्रति खिलाड़ी डाईट भत्ता दिया जा रहा है। पंचकूला में 10 करोड़ रुपये की लागत से उत्तर भारत के पहले अत्याधुनिक वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं पुनर्वास केंद्र की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वह स्वयं हर महीने युवाओं के साथ मैराथन में दौड़ते हैं। हाल ही में यमुनानगर में आयोजित मैराथन में करीब एक लाख युवाओं ने उनके साथ भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को करेंगे नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत- संकल्प अभियान का शुभारंभ

एजेंसी
चंडीगढ़। युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त, 2026 को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत - संकल्प अभियान' का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर हरियाणा के लाखों युवा अभियान से वर्चुअली जुड़कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेंगे तथा इसे प्रदेशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप देंगे।हरियाणा में अभियान का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम पावन भूमि कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर प्रदेशभर से बड़ी संख्या में युवा, विद्यार्थी, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठन तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाएं सहभागिता करेंगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के लगभग 10,000 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल माध्यम से जुड़ते हुए एक करोड़ से

अधिक युवाओं को संबोधित करेंगे। इस अभियान को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त रहेगा। अभियान की संपूर्ण अवधि के दौरान प्रदेश के युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार व्यापक स्तर पर प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के युवा उत्साह एवं दृढ़ संकल्प के साथ नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। साथ ही, अभियान को सफल बनाने में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहेगा। वहीं, राज्यमंत्री गौरव गौतम के नेतृत्व में युवा सशक्तिकरण एवं खेल विभाग इस अभियान की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। विभाग अभियान की संपूर्ण अवधि के दौरान राज्य स्तर पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा, ताकि अभियान अपने निर्धारित उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सके। हरियाणा में यह अभियान आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को सतत रूप से संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत युवाओं के नेतृत्व में विभिन्न जनजागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करना तथा उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक रूप से प्रेरित करना है। प्रधानमंत्री के संबोधन का अधिकतम युवाओं तक प्रसारण एवं सामूहिक श्रवण सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालयों से संबद्ध सभी सरकारी एवं निजी महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों, युवा क्लबों, स्वयंसेवी संगठनों तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी से इस अभियान को गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाया जाएगा।

अधिकारी निष्पक्षता एवं समयबद्धता के साथ करें कार्य : डीसी

एजेंसी
झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि एसआईआर कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य है। इसमें कार्यरत प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं। डीसी गुरुवार को एसआईआर-2026 अभियान के दूसरे चरण को लेकर सीईओ हरियाणा से वीसी उपरांत निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में जरूरी निर्देश दे रही थीं। उन्होंने कहा कि 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सुची के प्रकाशन उपरांत वोटर्स से 30 अगस्त तक प्राप्त दावे व आपतियो का निपटान किया जाएगा। ऐसे में अधिकारी वोटर की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क एक्टिव रखें। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई को बाद दोपहर 3 बजे लघु सचिवालय सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई है, जिसमें एसआईआर के अगले चरण को लेकर विस्तृत चर्चा होगी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि स्वच्छ, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची ही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला है। निर्वाचन आयोग की मंशा है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अधिकारियों को नवीन दिशा-निर्देशों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। इसकी शुद्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दिशा में अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने दोहराया कि सभी अधिकारी प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का प्रभावी उपयोग करते हुए निर्वाचन आयोग की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करेंगे तथा जिला में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाएंगे।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा त्वरित निस्तारण : एसडीएम हितेन्द्र कुमार

एजेंसी
गुरुग्राम। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा संचालित समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। इसी कड़ी में लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम हितेन्द्र कुमार ने नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एसडीएम हितेन्द्र कुमार ने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान उपलब्ध कराना है। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और उनकी शिकायतों का शीघ्र निवारण सुनिश्चित होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण किया जाए तथा उसका निर्धारित समय सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर

उनकी प्रगति पर भी विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। एसडीएम ने बताया कि समाधान शिविर में कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजते हुए उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि जिला एवं उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार एवं वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की शिकायतों की सुनवाई करते हैं तथा उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

एक माह में सीवरेज व्यवस्था नहीं सुधरी तो एसई-एक्सईएन होंगे सस्पेंड : अरविंद शर्मा

एजेंसी
हिसार। हिसार की बदहाल सीवरेज व्यवस्था और जनसमस्याओं पर मंत्री अरविंद शर्मा ने सख्त तेवर दिखाए है। लघु सचिवालय में आयोजित जिला लोकसंपर्क एवं जनपरिवाद समिति की मासिक बैठक में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए साफ शब्दों में कहा कि यदि एक महीने के भीतर शहर की सीवरेज व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित एसई और एक्सईएन को निलंबित कर दिया जाएगा।

निर्धारित समय लगभग डेढ़ घंटा देरी से शाम करीब साढ़े चार बजे शुरू हुई बैठक में आमजन से जुड़ी 15 शिकायतों पर सुनवाई की गई। सीवरेज व्यवस्था को लेकर शिकायत सामने आते ही मंत्री का धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने विभाग के एसई और एक्सईएन को फटकार लगाते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान फाइलों में नहीं, फील्ड में उतरकर किया जाता है। मंत्री ने दो टूक कहा कि ऑफिसों में बैठने की बजाय जनता के बीच जाइए। अगर एक महीने बाद भी शहर की सीवरेज व्यवस्था नहीं सुधरी तो सीधे सस्पेंड

कर दूंगा। बाद में चाहे किसी की कितनी भी सिफारिश आ जाए, मैं किसी की नहीं सुनूंगा। मंत्री के इस कड़े रुख का बैठक में मौजूद विधायक, मेयर और ग्रीवेंस कमेटी के सदस्यों ने भी समर्थन किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि शहर की सीवरेज व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। लोग रोज शिकायत लेकर उनके पास आते हैं, लेकिन विभाग की उदासीनता के कारण समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा। राजदरबार स्पेस कॉलोनाइजर पर भी मंत्री सख्त बैठक के दौरान राजदरबार स्पेस कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने का मामला भी उठा। आरडब्ल्यूए ने कॉलोनाइजर पर गंभीर आरोप लगाए, लेकिन सुनवाई के समय उसका कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। इस पर मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा नाराज हो गए। उन्होंने एएसपी को निर्देश दिए कि अगली ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में राजदरबार स्पेस के मालिक को हर हाल में पेश किया जाए।

आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपने दायित्व को याद करने का पर्व है वन महोत्सव : राजेश नागर

एजेंसी
कैथल। प्रकृति संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए जिले में 77वें वन महोत्सव के तहत गांव पाई में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आस्था, पर्यावरण संरक्षण के संकल्प और आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर है।

कार्यक्रम के दौरान करनाल में आयोजित राज्य स्तरीय वन महोत्सव का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

अपने संबोधन में मंत्री राजेश नागर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने इस मानसून सीजन में 1.40 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है, जिसमें वन विभाग के साथ अन्य विभागों और आम लोगों की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पौधा लगाकर केवल औपचारिकता पूरी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी देखभाल कर उसे बड़ा वृक्ष बनाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने हरियाणा सरकार की प्राण वायु देवता पेंशन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 75 वर्ष से अधिक आयु के पेड़ों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहन राशि देने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। कार्यक्रम में मौजूद पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण की सबसे बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 से अब तक पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने

लोगों से बच्चे के जन्म, जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ और अन्य शुभ अवसरों पर कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लेने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले गांव किच्छाना निवासी बुजुर्ग राजपाल को मंत्री राजेश नागर ने एक लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

ट्रंक मार्केट में डस्टबिन नहीं रखने व प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग पर 40 चालान

एजेंसी
गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शहर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक-मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत ट्रंक मार्केट क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन उपलब्ध न होने तथा प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग के मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 40 चालान जारी किए गए और 32,500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई संयुक्त आयुक्त-6 डॉ. प्रीतपाल सिंह के निर्देशानुसार सफाई निरीक्षक एवं सहायक सफाई निरीक्षक की टीम द्वारा जोन-6 में की गई। अभियान के दौरान टीम ने बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर उन दुकानदारों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई की, जिन्होंने नगर निगम के स्वच्छता एवं प्लास्टिक प्रतिबंध संबंधी नियमों का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने व्यापारियों एवं दुकानदारों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रतिष्ठान पर डस्टबिन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करें तथा प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करें। साथ ही उन्हें स्वच्छता नियमों का पालन करने के लिए भी जागरुक किया गया।

नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए निरंतर अभियान चला रहा है। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सभी नागरिकों, व्यापारियों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से अपील है कि वे अपने परिसर में डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करें, प्रतिबंधित सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा स्वच्छ गुरुग्राम के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें।

77वां जिला स्तरीय वन महोत्सव जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी में धूमधाम से मनाया

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा सरकार के हरित हरियाणा-स्वच्छ हरियाणा संकल्प को साकार करने की दिशा में जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी सोहना में 77वें जिला स्तरीय वन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खान एवं भू-विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए पौधारोपण किया और प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण आने वाली पीढियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और प्रत्येक नागरिक को इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। जिला स्तरीय वन महोत्सव का उद्देश्य केवल पौधारोपण करना नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान और आने वाली पीढियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि विकसित हरियाणा और विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक गांव और शहर हरित, स्वच्छ तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक बनेगा। उन्होंने कहा कि

प्रकृति हमें शुद्ध वायु, जल और जीवन प्रदान करती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाया जा रहा एक पेड़ मां के नाम अभियान पूरे देश में जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने सभी नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। उसकी उसी प्रकार देखभाल करें, जैसे परिवार के सदस्य की करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों का संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है।

कैथल में सफाई कर्मचारियों के वेतन की होगी जांच, लापरवाही पर एजेंसी होगी ब्लैकलिस्ट

एजेंसी
कैथल। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य एवं अधिवक्ता संजीव घारू ने कहा कि यदि सफाई कर्मचारियों को नियमानुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है या उनके साथ किसी प्रकार की लापरवाही बरती जा रही है तो इसकी जांच कर दोषी एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच में लापरवाही मिलने पर संबंधित एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। आयोग के सदस्य संजीव घारू और सदस्य रेखा रानी ने कैथल का दौरा कर डंपिंग यार्ड, नगर परिषद और नागरिक अस्पताल का निरीक्षण किया। डंपिंग यार्ड में सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण और आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं मिलने पर आयोग ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान आयोग के सदस्यों ने सफाई कर्मचारी अमन, सूरजभान, वेद प्रकाश, गंगाराम, संतरो, प्रमोद और बलिंद्र से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। साथ ही कचरा पृथक्करण कार्य और वहां की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। इसके बाद आयोग की टीम नगर परिषद पहुंची, जहां ठेके पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें नियमित वेतन नहीं मिलता और मिलने पर भी निर्धारित राशि से कम भुगतान किया जाता है। इस पर संजीव घारू ने करीब 160 सफाई कर्मचारियों से अलग-अलग लिखित शिकायतें देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन 15 हजार 220 रुपये प्रतिमाह के अनुसार भुगतान सुनिश्चित कराया जाए।

बजाज फाइनेंस का एआई-आधारित विकास का लक्ष्य

- फिनएआई बदलाव अगले 12-18 माह में पूरा होगा

नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फिनटेक पर आधारित एक महत्वाकांक्षी विकास योजना का अनावरण किया है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार, यह फिनएआई बदलाव अगले 12-18 महीनों में पूरा होगा, जो अगले 8-10 सालों के लिए जबरदस्त वृद्धि की नींव रखेगा। कंपनी वित्त वर्ष 27 तक 300 से अधिक एआई यूज केस लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत वित्त वर्ष 27 तक परिसंपत्तियों के तहत प्रबंधन (एयूएम) 6.3-6.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो अगले 10 वर्षों में 40 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। इससे भारत के कुल ऋण बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी लगभग 5 फीसदी रहेगी। कंपनी 20 क्षेत्रों में विस्तार करेगी, जिनमें 13 क्षेत्रों में वित्त वर्ष 30 तक मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। लक्ष्यों में वाणिज्यिक व एमएसएमई ऋण एयूएम क्रमशः 1.6 लाख करोड़ व 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना, 5.5 करोड़ नए ग्राहक, 17.5 करोड़ ऐप इंस्टॉल और 3.9 करोड़ सालाना बीमा पॉलिसियां शामिल हैं। कंपनी 2500 करोड़ का स्टार्टअप निवेश और आरएंडडी के लिए 250-400 करोड़ रुपये प्रतिबद्ध करेगी, साथ ही 4.5 लाख सोलर फाइनेंसिंग और वित्त वर्ष 30 तक 10 लाख ईवी फाइनेंसिंग के साथ सबसे बड़ी सोलर ऋणदाता बनने का लक्ष्य रखती है।

बजाज फाइनैंस का पहली तिमाही में मुनाफा 29 फीसदी बढ़ा, एसेट क्वालिटी में सुधार

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनैंस ने 30 जून को समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही) में मजबूत वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। कंपनी का एकल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 5,346 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) और गैर-ब्याज आय में प्रभावशाली वृद्धि के कारण हुई है, जिसकी जानकारी कंपनी ने हाल ही में दी। बजाज फाइनैंस की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 24 प्रतिशत बढ़कर 11,495 करोड़ रुपये पहुंच गई। इस वृद्धि को परिसंपत्तियों के तहत प्रबंधन (एयूएम) में 23 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि से बल मिला, जो इस तिमाही में एकल आधार पर 4 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। कंपनी की गैर-ब्याज आय में भी 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2,434 करोड़ रुपये रही। तिमाही के दौरान, ऋणदाता के नए ऋणों की संख्या सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.6 करोड़ हो गई। कंपनी की संपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। गैर-निष्पादित संपत्तियां (एनपीए) 30 जून, 2026 को घटकर 1.20 प्रतिशत रह गईं, जबकि एक साल पहले यह 1.28 प्रतिशत थीं। इसी तरह, शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्तियां 0.63 प्रतिशत से गिरकर 0.49 प्रतिशत पर आ गईं। समग्र आधार पर, बजाज फाइनैंस का शुद्ध लाभ 28 प्रतिशत बढ़कर 6,081 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का ग्राहक आधार सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 12.4 करोड़ से अधिक हो गया, जबकि इसका समग्र एयूएम 24 प्रतिशत बढ़कर 5.47 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

आरबीआई ने थोक जमा दरों में बैंकों को दी अधिक छूट एलसीआर से जुड़ेगी ब्याज दर

- एकरूपता का सिद्धांत बरकरार, 1 अक्टूबर से होगी प्रभावी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को थोक जमा (बल्क डिपॉजिट) पर ब्याज दरें तय करने में अधिक लचीलापन दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत, बैंक अब अपनी तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) आवश्यकताओं के आधार पर थोक जमा की तरलता विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग ब्याज दरें निर्धारित कर सकेंगे। हालांकि, आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक ही प्रकार की जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरों में बैंक की सभी शाखाओं और ग्राहकों के लिए एकरूपता का व्यापक सिद्धांत बरकरार रहेगा।

केंद्रीय बैंक के नए निर्देश बैंकों को थोक जमा पर ब्याज दरें तय करने में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं।

आरबीआई ने कहा है कि बैंक अब एलसीआर ढांचे के तहत जमा या बिना गारंटी वाले थोक फंडिंग पर लागू रन-ऑफ रेट को ध्यान में रखते हुए थोक जमा पर अलग-अलग ब्याज दरें रखने के लिए स्वतंत्र होंगे।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 166, निफ्टी 66 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही लिवाली हावी रहने से आई है। आज ऑटोमोबाइल और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.49 अंकों की तेजी के साथ ही 78,094.64 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 66.45 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,383.60 के स्तर पर बंद हुआ है

आज कारोबार में सेंसेक्स के 30 में से ज्यादातर शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं बजाज फाइनेंस , एमएम आडानी पोर्ट और टाटा स्टील के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर टीसीएस, इंफोसिस और टेक महिन्द्रा के शेयर गिरे हैं।

आज मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। इससे निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.51 फीसदी तक ऊपर आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में भी बढ़त दर्ज की गई। आज ज्यादातर इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा तेजी निफ्टी मीडिया में रही और यह 2 फीसदी से ज्यादा उछल गया। निफ्टी ऑटो और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में भी 1 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी मेटल, फार्मा, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे इंडेक्स भी लाभ

के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी करीब 1.70 फीसदी तक गिर गया। वहीं निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में भी 1 फीसदी से ज्यादा की कमजोरी रही।

जानकारों के अनुसार बाजार में आई तेजी के लिए कई कारण जिम्मेदार रहे। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीददारी से भी बाजार उछला है। इसके अलावा रुपये में आई मजबूती और दिग्गज कंपनियों के अच्छे परिणामों से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत रही। वित्तीय सेवा और ऑटो सेक्टर के शेयरों में खरीदारी से बाजार ऊपर आया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 43.30 अंक की बढ़त के साथ 77,971.45 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 भी 33.55 अंक चढ़कर 24,350.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया एक पैसे की तेजी के साथ ही 95.49 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.30 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी प्रवाह और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपये को बल मिला। घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत होने से रुपये की तेजी सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में बढ़त के साथ 95.30 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज करते हुए गुरुवार को 26 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.50 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ 100.21 पर रहा।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा 9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,488 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी ने खर्चों में प्रभावी कटौती और अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार के दम पर यह प्रदर्शन किया, जबकि इस दौरान उसकी कुल आय में गिरावट आई। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसका शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही के 1,360 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,488 करोड़ रुपये हो गया। भले ही इस अवधि में कंपनी की कुल आय 7,233 करोड़ रुपये से घटकर 7,066 करोड़ रुपये और ब्याज आय 7,113 करोड़ रुपये से 7,024 करोड़ रुपये पर आ गई, लेकिन लाभ में यह वृद्धि खर्चों में प्रभावी कटौती के कारण संभव हुई। समीक्षाधीन तिमाही में कुल खर्च 5,534 करोड़ रुपये से घटकर 5,177 करोड़ रुपये रह गया। इसके अतिरिक्त कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार दिखा। जून, 2026 तक सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 2.62 प्रतिशत से कम होकर 2.14 प्रतिशत रह गईं। इसी प्रकार, कंपनी का शुद्ध एनपीए भी वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के 1.3 प्रतिशत से घटकर 1.12 प्रतिशत पर आ गया, जो कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत दर्शाता है।

चीन की विनिर्माण गतिविधियां जुलाई में अप्रत्याशित रूप से घटीं

– पांच महीने में पहली बार 50 से नीचे आया आधिकारिक पीएमआई

हांगकांग ।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जुलाई माह के दौरान अप्रत्याशित सुस्ती दर्ज की गई है। आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पांच महीने में पहली बार संकुचन के दायरे में आ गया है, जिससे व्यापक आर्थिक वृद्धि पर दबाव बढ़ने की आशंका है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आधिकारिक विनिर्माण पीएमआई जून के 50.3 से गिरकर जुलाई में 49.2 पर आ गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से भी कमजोर रहा। पीएमआई का 50 से नीचे का स्तर गतिविधियों में संकुचन का संकेत देता है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक भी जून के 51.2 से जुलाई में 48.5 पर आ गया, जो 2023 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

वहीं उत्पादन का उप-सूचकांक 51.4 से घटकर 49.9 पर पहुंच गया। यह गिरावट चीन की अर्थव्यवस्था के लिए साल की दूसरी छमाही के शुरुआती आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से उत्साहजनक नहीं है, जैसा कि आईएनजी बैंक के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने बताया। चीन की अर्थव्यवस्था लंबे समय से घरेलू खर्च और निवेश में सुस्ती के दबाव में है।

भारतीय शेयर बाजार में बड़ा बदलाव, ट्रेडिंग का समय बढ़ा

– एफएंडओ सेगमेंट में पारदर्शिता बढ़ेगी, नियम, 3 अगस्त से होंगे प्रभावी

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में 3 अगस्त से फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) और इक्विटी कैश सेगमेंट में कई बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने, क्लोजिंग प्राइस को अधिक सटीक बनाने और निवेशकों को बेहतर ट्रेडिंग अनुभव देने के उद्देश्य से ये नए नियम जारी किए हैं। शेयर बाजार में निवेश करने वाले या एफएंडओ में ट्रेडिंग करने वाले सभी निवेशकों के लिए इन बदलावों को समझना बेहद जरूरी है। सेबी के नए सर्कुलर के अनुसार एफएंडओ ट्रेडिंग का समय अब शाम 3:30 बजे की बजाय 3:40 बजे तक जारी रहेगा, जिससे ट्रेडर्स को अपनी पोजीशन एडजस्ट करने के लिए अतिरिक्त 10 मिनट मिलेंगे। हालांकि, जिन शेयरों में एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट हैं, उनके कैश मार्केट में सामान्य ट्रेडिंग दोपहर 3:15 बजे तक ही होगी। इसके बाद इन शेयरों के लिए एक नई प्रक्रिया, क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) शुरू की जाएगी।

वहीं जिन शेयरों में एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट नहीं हैं, उनकी ट्रेडिंग पहले की तरह 3:30 बजे तक चलेगी और उनके लिए मौजूदा नियम ही लागू रहेंगे। सीएएस एक विशेष प्रक्रिया है जिसके जरिए बाजार बंद होने से पहले एफएंडओ वाले शेयरों का अंतिम क्लोजिंग प्राइस तय किया जाएगा। इस सेशन में खरीदार और विक्रेता के ऑर्डरों का मिलान कर एक संतुलित मूल्य निकाला जाएगा, जिसे उस दिन का क्लोजिंग प्राइस माना जाएगा।

नए नियमों के तहत एफएंडओ शेयरों के कैश सेगमेंट में क्लोजिंग प्राइस अब वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस के बजाय इसी सीएएस से तय होने वाले इक्विलिब्रियम प्राइस पर आधारित होगा। हालांकि, स्टॉक फ्यूचर्स के लिए वीडब्ल्यूएपी प्रणाली जारी रहेगी, लेकिन इसकी गणना अब 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच के डेटा के आधार पर होगी।

महिंद्रा समूह अनिश्चितता के दौर में अपनाएगा आक्रामक रुख,वृद्धि को मिलेगी रफ्तार

चेयरमैन आनंद महिंद्रा बोले, भू-राजनीतिक उथल-पुथल में तैयार कंपनियां लेती हैं निर्णायक बढ़त

मुंबई ।

महिंद्रा समूह अब वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में आक्रामक रवैया अपनाएगा, जिससे निवेश, नवाचार और क्रियान्वयन को गति मिलेगी। चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि अच्छी तैयारी वाली कंपनियों के लिए ये चुनौतियां बढ़त हासिल करने के अवसर पैदा करती हैं। आनंद महिंद्रा ने स्पष्ट किया कि आक्रामकता बेतहाशा गति नहीं, बल्कि तैयारी, आत्मविश्वास और क्षमता के साथ रणनीतिक गति बढ़ाना है।

उन्होंने फॉर्मूला ई-रेसिंग का उदाहरण दिया, जहाँ अनिश्चित परिस्थितियों में भी तैयार ड्राइवर निर्णायक बढ़त बना सकता है। उन्होंने बताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का मंथन अब दूसरे चरण में है, जहाँ आपूर्ति श्रृंखला, भू-राजनीति और व्यापार मॉडल में व्यवधान दीर्घकालिक पुनर्संरचना का हिस्सा हैं।

महिंद्रा के अनुसार, भारत और समूह दोनों इन चुनौतियों से मजबूत उभरे हैं।

भारत का विशाल घरेलू बाजार, प्रतिभा, राजनीतिक स्थिरता और विनिर्माण क्षमताएं उसे वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बना रही हैं।

जैसे, भारत अब दुनिया के एक चौथाई आईफोन का उत्पादन करता है, जो वैश्विक विनिर्माण में उसकी बढ़ती भूमिका का प्रमाण है।

सोने में गिरावट के बावजूद निवेशकों को ढाई गुना लाभ

मुंबई।

सोने की कीमतों में हालिया गिरावट के बावजूद निवेशकों का भरोसा इस कीमती धातु पर बना हुआ है। वर्ष 2023 में लगभग 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करने वाला सोना वर्ष 2026 में करीब 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। इस अवधि में लंबी अवधि के निवेशकों को लगभग ढाई गुना का लाभ मिला है। विशेषज्ञों का कहना है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, भू-राजनीतिक तनाव और केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद ने इसकी कीमतों को मजबूती बनाकर रखी है। बाजार में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं। वित्तीय

सलाहकारों के अनुसार, दीर्घकालिक निवेश के लिए सोना अब भी भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है।

आवाडा समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए जुटाए 1.3 अरब डॉलर

2,150 मेगावॉट की परियोजनाओं को भारतीय बैंकों से मिली वित्तीय सहायता

नई दिल्ली ।

आवाडा समूह ने गुजरात और महाराष्ट्र में अपनी 2,150 मेगावॉट की महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 1.3 अरब डॉलर की बड़ी वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आरईसी लिमिटेड और केनरा बैंक सहित प्रमुख भारतीय वित्तीय संस्थानों ने चार विशेष प्रयोजन इकाइयों (एसपीवी) के माध्यम से इस महत्वपूर्ण वित्तपोषण को मंजूरी दी है।

इन परियोजनाओं में 1,350 मेगावॉट की हाइब्रिड (सौर और पवन ऊर्जा) नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं और 800 मेगावॉट की यूटिलिटी-स्तरीय सौर ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। इनका

विकास महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) जैसी प्रमुख राज्य बिजली वितरण कंपनियों के लिए किया जा रहा है। ये परियोजनाएं गुजरात और महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर कुल 3,000 मेगावॉट से अधिक सौर ऊर्जा और 450 मेगावॉट पवन ऊर्जा क्षमता विकसित करेंगी।

कैपिटल ग्रुप ने आईआईएफएल फाइनेंस में किया 374 करोड़ का निवेश

- खुले बाजार सौदों के जरिये फेयरफैक्स इंडिया की सहयोगी इकाई ने बेची 1.49 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी वित्तीय सेवा कंपनी कैपिटल ग्रुप ने आईआईएफएल फाइनेंस में एक बड़ा निवेश किया है। कंपनी ने खुले बाजार सौदों के माध्यम से 374 करोड़ रुपये में 1.49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है, जिसे फेयरफैक्स इंडिया की सहयोगी इकाई ने बेचा है। एनएसई आंकड़ों के मुताबिक कैपिटल ग्रुप ने अपनी दो इकाइयों कैप वर्ल्ड फंड इंक और अमेरिकन फंड्स इंश्योरेंस सीरीज ग्लोबल स्मॉल कैपिटलाइजेशन फंड के जरिये आईआईएफएल फाइनेंस के कुल 63,39,355 शेयर औसतन 590 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे। वहीं फेयरफैक्स इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने भी इतनी ही संख्या में शेयर बेचे। इस लेनदेन के बाद आईआईएफएल फाइनेंस में एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स की हिस्सेदारी 15.18 प्रतिशत से घटकर 13.69 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, हिस्सेदारी बेचने के बाद भी, यह इकाई मुंबई स्थित इस गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) की सबसे बड़ी सार्वजनिक शेयरधारक बनी हुई है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें स्थिर रखीं, बाजार की चिंता बढ़ी

नए चेयरमैन वॉर्श ने छोड़ी अग्रिम अनुमान की परंपरा; निवेशक अब आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी प्रमुख ब्याज दरों को बिना किसी बदलाव के 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के लक्षित दायरे में बरकरार रखा है, लेकिन केंद्रीय बैंक के मिले-जुले संदेशों और नए चेयरमैन केविन वॉर्श द्वारा पारंपरिक अग्रिम मार्गदर्शन प्रथा को छोड़ने से ब्याज दरों पर अनिश्चितता पैदा हो गई है, जिससे बाजारों में अस्थिरता का जोखिम बढ़ गया है। फेड के इस फैसले का तीन सदस्यों ने विरोध किया, जिसे विश्लेषकों ने दरें बरकरार रखते हुए आक्रामक रुख माना है, जिससे भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की प्रबल संभावना है। नए चेयरमैन केविन वॉर्श ने अग्रिम अनुमान की परंपरा छोड़ दी है, जिससे निवेशक अब फेड के अगले कदम के संकेतों के लिए आर्थिक आंकड़ों को खंगाल रहे हैं।

कई जानकारों का मानना है कि इससे बाजार में तेजी से उतार-चढ़ाव हो सकता है। उपभोक्ता महंगाई दर (3.5 फीसदी) अभी भी फेड के 2 फीसदी लक्ष्य से काफी ऊपर है, जबकि अमेरिका-ईरान तनाव तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ा रहा है। वॉर्श ने कीमतों पर दबाव बने रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी, पर तुरंत कदम उठाने का वादा नहीं किया। इस बीच, सितंबर में दरें बढ़ने की वायदा बाजार की संभावना पहले 77 फीसदी से घटकर 57 फीसदी रह गई। निवेशकों को वॉर्श से महंगाई नियंत्रण के लिए स्पष्ट रोडमैप की उम्मीद है।

सिर्फ कठोर कानून बनाना किसी समस्या का समाधान नहीं है

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद है। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा?

परीक्षा पेपर लीक की समस्या का स्थायी समाधान तकनीकी सुधार, सख्त कानूनी कार्रवाई, प्रशासनिक पारदर्शिता और परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के समन्वय से ही संभव है। भारत सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करके दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और रू.50 लाख तक के जुमार्ने जैसे कड़े प्रावधान किए हैं, लेकिन केवल कानून ही इसका अंतिम इलाज नहीं है।क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा? विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा से मोदी सरकार का महत्वपूर्ण विधेयक जो एंटी पेपरलीक को लेकर कानून को सख्त बनाये जाने से सम्बन्धित है ध्वनिमत से पास हो गया है। अब राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया जायेगा। वहां भी पास हो ही जायेगा। सरकार का कहना है कि एंटी पेपर लीक कानून को और सख्त बनाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 लाया गया है। जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा धोखाधड़ी और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। इस संशोधित कानून में दोषियों के खिलाफ पहले से अधिक कठोर दंड, आर्थिक जुमार्ना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह कानून प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ाएगा और लाखों युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।

आपको पता है कि नीट के पेपर लीक को लेकर जिस प्रकार से देश भर में युवाओं छात्रों में माहौल बना सरकार ने पैदा आक्रोश को दबाने के लिए फौरी उपचार बतौर इस विधेयक को ऐसे समय ड्राफ्ट किया है। तब जबकि जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलित थे और वे केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे।

छात्रों, युवाओं के प्रदर्शन व मांगों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान का शिक्षामंत्री के पद से इस्तीफा तो हो गया। लेकिन पेपरलीक, परीक्षाओं में अनियमितता शिक्षा व्यवस्था सिर्फ न तो इस्तीफे

से रूकने वाली है और नही उसको लेकर बनाये गए सख्त कानूनों से ही रूकेगा। देश में कानून तो बहुत से हैं। वह चाहे चोरी, छेड़छाड़ का हो, भ्रष्टाचार, रिश्वत लेने-देने, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा का या हत्या का, खाद्य पदार्थों में मिलावट का हो या नकली दवाएं बेचे जाने का। कानून की कोई कमी इस देश में नहीं हैं। सवाल यह है कि इतने कानूनों के बावजूद व्यवस्था में बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है। क्योंकि यह कतई नहीं माना जा सकता है कि उसी व्यवस्था में शामिल लोगों के बिना पेपरलीक हो सकता है या परीक्षा में अनियमितता हो सकती है।

जहां तक शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली का प्रश्न है, पेपरलीक और परीक्षा में अनियमितता सिर्फ इन कारणों से नहीं होती है कि इन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए कोई कानून नहीं है। यह तो व्यवस्था की विसंगतियों और कुछ लोगों के गठजोड़ से अत्यधिक मुनाफा कमाने और कुछ लोगों को अनुचित लाभ दिलाने से जुड़े प्रश्न हैं। यदि कुछ वर्षों में देश में कोचिंग संस्थानों का व्यापार तेजी से बढ़ा है। क्या इसके बारे में भी सरकार ने कभी सोचा है कि आखिर वे कौन से कारण हैं कि देश में शिक्षा की व्यवस्था दिनों दिन गिरती जा रही है। निजी संस्थानों की बाढ़ आ रही है। सरकारी संस्थान डूब रहे हैं। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है, संसाधन विहीन है। क्या कारण है कि कोचिंग संस्थान फल-फूल रहे हैं और स्कूल कालेजों में हो रही पढ़ाई उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल नहीं बना पाती है और छात्र अपनी रेगुलर पढ़ाईछोड़कर कोचिंग संस्थाओं में भारी भरकम फीस जमा करके प्रवेश लेते हैं और तैयारी करते हैं। मां बाप और अभिभावक भी बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। इसी प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी जब पेपरलीक होता है तो उन छात्रों और युवाओं की पीड़ा देखी जा सकती है जो बड़ी उम्मीदों से तैयारी करते हुए परीक्षाएं देते हैं लेकिन उनका परिणाम नहीं आता है। पेपरलीक होने की वजह से परीक्षा कैंसिल हो जाती है। दोबारा जब करायी जाती है तब तक बहुत समय गुजर चुका होता है। धन भी जाता है और बहुत बार आयु भी निकल चुकी होती है। यही कारण है कि जंतर-मंतर पर जो आक्रोश उभर कर सामने आया वह सिर्फ नीट परीक्षा तक सीमित नहीं था और न ही सिर्फ नीट दिए हुए या उससे प्रभावित लोग ही जुटे। यह पूरी व्यवस्था में घुले भ्रष्टाचार का परिणाम था जो वर्षों से धीरे-धीरे सुलग रहा था और जंतर-मंतर पर आकर फूट पड़ा था। सरकार को चाहिए कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ ही न बनाये बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल डाले जो सिर्फ कानून से नहीं हो सकता है। सवाल तो यह भी है कि आखिर सरकार शिक्षा के लिए बजट में वृद्धि क्यों नहीं करती है कि इसके लिए सरकार के तौर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करायी जा सके। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। पेपर लीक को रोकने के लिए प्रमुख रणनीतियों को लागू किया जाना आवश्यक है इसके तहत सबसे पहला कदम आधुनिक तकनीक का उपयोग डिजिटल प्रश्न पत्र वितरणः पेपर को छापने और गाड़ियों में ले जाने के बजाय, परीक्षा से ठीक आधा घंटा पहले केंद्रों पर एन्क्रिप्टेड डिजिटल फाइल भेजी जाए।ब्लॉकचेन और एडवांस एन्क्रिप्शनः प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाए जिससे डिजिटल फाइल में किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता चल सके।

दूसरा कदम एआई निगरानीः परीक्षा केंद्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों से रियल-टाइम निगरानी की जाए ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके।डिजिटल ऑडिट ट्रेलः प्रश्न पत्र को कब, किसने और कहाँ से एक्सेस किया, इसका पूरा डिजिटल रिकॉर्ड (लॉग) रखा जाए ताकि जवाबदेही तय हो सके।

तीसरा कदम प्रशासनिक एवं परीक्षा संचालन में सुधार चरणबद्ध ऑनलाइन परीक्षाएं : बड़ी परीक्षाओं (जैसे नीट या बड़ी भर्ती परीक्षाएं) को एक ही दिन कराने के बजाय जेईई मेन्स की तरह कंप्यूटर आधारित टेस्ट के माध्यम से कई सत्रों में आयोजित किया जाए।सुरक्षित प्रिंटिंग कमांडः परीक्षा केंद्रों पर ही हाई-स्पीड बायोमेट्रिक प्रिंटर लगे हों और परीक्षा से कुछ मिनट पहले ऑन-डिमांड प्रिंट कमांड देकर पेपर निकाला जाए।विश्वसनीय पेपर सेटर्स (इंटरनल सिक्योरिटी): आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी (पीएम टास्क फोर्स एक्सपर्ट) के अनुसार, लीक अक्सर सोर्स (पेपर बनाने वालों) से ही हो जाता है। इसलिए, प्रश्न पत्र बनाने वाले और उसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की कड़ी पृष्ठभूमि जांच और गोपनीयता अनिवार्य होनी चाहिए। चौथा कदम सख्त कानूनी और संस्थागत उपाय त्वरित अदालतें और स्पेशल टास्क फोर्सः पेपर लीक मामलों की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन हो और फास्ट-ट्रैक अदालतों के जरिए दोषियों को तुरंत सजा मिले।सर्विस प्रोवाइडर्स पर शिकंजाः परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनियों और परीक्षा केंद्रों को गड़बड़ी पाए जाने पर हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाए और उनकी संपत्ति जब्त की जाए। योग्यता-आधारित रोजगार व्यवस्था डिग्री के बजाय स्किल टेस्टः यदि सरकारी और निजी नौकरियों में भर्ती का आधार केवल एक लिखित परीक्षा या डिग्री न होकर व्यावहारिक योग्यता, कौशल परीक्षण और प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो हो, तो एकल परीक्षा का दबाव और उसमें धोखाधड़ी करने की होड़ अपने आप कम हो जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बेरोजगारों को संबल

देश में युवा मन के सपनों और भविष्य की चिंताओं के मद्देनजर हरियाणा सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। कहीं न कहीं दिल्ली समेत देश के अन्य राज्यों में हुए छात्र आंदोलन के बाद आज युवा सरकार की नीतियों के केंद्र में हैं। इसी कड़ी में हरियाणा की नायब सरकार ने सीईटी पास युवाओं की सुध ली है। जाहिर है सभी सीईटी पास युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। कई युवा परीक्षा पास करने के बाद भी वर्षों तक बेरोजगार बने रहते हैं। एक्शन में आई हरियाणा सरकार ने ऐसे पांच लाख चालीस हजार से अधिक बेरोजगार युवाओं की पहचान की है, जिन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद रोजगार नहीं मिला। इसके बाद 'विकसित भारत विजन 2047' के तहत रोजगार, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग तथा हरियाणा कौशल विकास मिशन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर बल दिया कि कौशल विकास योजनाओं को सिर्फ प्रशिक्षण तक ही सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें सीधे रोजगार से भी जोड़ा जाए। सरकार ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी सीईटी पास युवाओं को प्रति माह सौ घंटे का काम उपलब्ध कराने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर यदि उन्हें दो साल तक रोजगार नहीं मिलता, तो सक्षम युवा योजना के तहत भत्ता दिया जाएगा। निश्चित रूप से सभी बेरोजगारों को काम व भत्ता देना व्यावहारिक भले नहीं लगे, लेकिन बेरोजगारों की बड़ी संख्या को फौरी तौर पर संबल जरूर मिलेगा। दरअसल, विगत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2016 में युवाओं के लिए एक ऐसी ही योजना लाई गई थी, जिसमें सालाना 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले परिवार के युवाओं को 9 हजार का मासिक भत्ता देने की बात कही गई थी। वहीं, महीने में निर्धारित समय तक काम देने के भी प्रयास हुए थे। लेकिन वास्तव में ऐसी आदर्श योजना के क्रियान्वयन में व्यावहारिक दिक्कतों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। विगत में हरियाणा के युवाओं को प्रकृति से जोड़ने व रोजगार के अवसर मुहैया कराने के अभिनव प्रयास भी मनोहर लाल सरकार के दौरान हुए थे, जिसमें बेरोजगार युवाओं को पौधा लगाने का दायित्व दिया गया था। इसमें गड्ढे खोदने, पौधे लगाने और उनकी निरंतर देखभाल करने के लिए मानदेय निर्धारित किया गया था। उद्देश्य था कि जो पौधे लगें, वे जीवित भी रहें और युवा प्रकृति से जुड़ें। नायब सरकार की नई मुहिम इसी कड़ी का विस्तार माना जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, नायब सरकार समय की जरूरतों के हिसाब से शिक्षा देने के प्रयासों में गंभीर नजर आती है। इसी कड़ी में एआई प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार पंचकूला व गुरुग्राम में एआई हब विकसित करने जा रही है, जिसके अंतर्गत दो लाख युवाओं को हाई-स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

सडक दुर्घटनाओं की चौंकाती हकीकत

ऋतुपर्ण दवे

भारत में सडक दुर्घटनाओं में कमीं न आना बेहद दुर्भग्यजनक है। कई वर्षों के आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद आशातीत सफलता न मिलनाए कहीं न कहीं सडक पर चलने वालों की मनोदशा पर भी निर्भर करता है। इसी चलते हर रोज कहीं न कहीं से भीषण सडक दुर्घटनाओं के दुखद समाचार मिल ही जाते हैं। भारत सरकार की परिभाषा में एक से ज्यादा लोगों की मौत को भीषण सडक हादसा माना जाता है। सडक हादसों में बेवजह लाखों जान हर वर्ष जाती है।

यदि केवल किसी एक वर्ष के डेटा पर नजर डालें तो काफी चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2023 के आंकड़े ही लें तो दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर उभरती है। इस वर्ष 68783 हिट एण्ड रन मामलों में 31209 मौतें हुईं जबकि 54574 लोग घायल हुए। सभी तरह की दुर्घटनाओं का विश्लेषण काफी सोचने और डराने को मजबूर करता है। इसी वर्ष सडक पर खड़े वाहनों से टकराकर 13810 दुर्घटनाओं में 5636 मौतें और 12575 घायल हुए। पीछे से टकराने की दुर्घटनाओं में 36804 मौतें 107161 घायल हुए। साइड से टक्कर की 73805 घटनाओं में 20623 मौतें और 74017 घायल हुए। सडक से नीचे गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुईए 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पलटने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं आमने.सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए। अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही। इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना का शिकार हुए जो अन्य क्षति छोडकरए मानवीय हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ तेज गतिए बिना हेलमेटए वाहनों के बीच बिना सुरक्षित दूरीए सुस्तीए नींद के झोंकेए वाहन चलाते समय धूम्रपानए शराब या किसी अन्य नशे में होने से दुर्घटनाएँ होती हैं। रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्सए टेल लाइट्स और इंडिकेटर्स खराब होने या काम नहीं करनेए टायरों पर ध्यान नहीं देने और ज्यादा पुरानेए घिसेए कटे.फटेए क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोगए बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रैक्शन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं। ब्रेक की नियमित जांच से कई तरह की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें भी ध्यान भटकाता है। गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में आगे निकलने की होड़ और ओवर टेक भी वजह है। छोटी सडकों पर ध्यान नहीं देना कि कहीं सामने दूसरा वाहन तो नहीं आ रहाघ् जबकि हाइवे पर इंडीकेटर का सही उपोयग नहीं करना दुर्घटनाओं का सबब बनता है।

ओवरटेक की होड़ से भी दुर्घटनाएँ होती हैं। यह सभी वो छोटे.छोटे उपाय व यातायात के नियम हैं जिन्हें हम जानते तो हैं पर अमल में नहीं लाते हैं। थोड़ी सतर्कताए थोड़ी सजगता से बड़ी.बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसीलिए यातायात विभाग का बेहद लोकप्रिय नारा है दुर्घटना से देर भली।

अन्नदाता, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को नई उड़ान

विनोद कुमार सिंह

केंद्रीय मंत्रिमंडल के तीन बड़े निर्णयों से विकसित भारत की आधारशिला होगी और सुदृढ़...

विकसित भारत का निर्माण केवल ऊँची आर्थिक विकास दर से नहीं होता, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक किस सीमा तक पहुँचता है। जब किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो, ऊर्जा के स्रोत पर्यावरण के अनुकूल हों और युवा अपनी प्रतिभा के बल पर विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ाने में सक्षम हो, तभी विकास समावेशी और टिकाऊ बनता है। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए तीन महत्वपूर्ण निर्णय इसी व्यापक सोच और दूरदृष्टि का परिचय देते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि(पीएम- किसान)योजना को अगले पाँच वर्षों तक जारी रखने के लिए लगभग 3.15 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना के लिए 5,070 करोड़ रुपये तथा खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इन संयुक्त वित्तीय निर्णयों से स्पष्ट है कि सरकार कृषि, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को विकसित भारत की तीन प्रमुख आधारशिलाओं के रूप में देख रही है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज देश के करोड़ों किसानों के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र में स्थिरता और विश्वास का आधार बन चुकी है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र किसान परिवार को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार अब तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं तथा उनके बैंक खातों में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं में शामिल यह कार्यक्रम पारदर्शिता और तकनीक आधारित सुशासन का भी प्रभावी उदाहरण बन गया है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि आज भी सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती और उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में किसान की आय में स्थिरता केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं रहती,बल्कि उसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण बाजार,लघु उद्योग,कृषि यंत्र, उर्वरक, बीज,परिवहन और स्थानीय व्यापार तक दिखाई देता है। यही कारण है कि कृषि क्षेत्र में किया गया प्रत्येक निवेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनेक पहियों को गति देता है।पीएम-किसान योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी पारदर्शी कार्यप्रणाली है।प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त कर दी है। सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुँचने से न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, बल्कि किसानों का सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता का यह एक सशक्त उदाहरण माना जा सकता है।हालाँकि केवल आय सहायता ही कृषि की सभी चुनौतियों का समाधान नहीं है। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक,कृषि अनुसंधान,मूल्य संवर्धन,भंडारण और बेहतर विपणन व्यवस्था पर समान रूप से निवेश आवश्यक है। यदि इन क्षेत्रों में भी समान गति से सुधार आगे बढ़ता है, तो पीएम-किसान योजना का प्रभाव और अधिक व्यापक होगा।केंद्रीय मंत्रिमंडल का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना है। लगभग 5,070 करोड़ रुपये की इस योजना का उद्देश्य देशभर में जलाशयों,बाँधों और सरोवरों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विकास करना है। ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह निर्णय अत्यंत दूरगामी महत्व रखता है।आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। औद्योगिकीकरण, डिजिटलीकरण और शहरीकरण के कारण बिजली की माँग निरंतर बढ़ रही है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती यह संकेत देती है कि ऊर्जा उत्पादन के स्वच्छ स्रोतों का तेजी से विस्तार समय की आवश्यकता है।फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएँ इस दिशा में एक अभिनव समाधान प्रस्तुत करती हैं। जलाशयों की सतह पर स्थापित सौर पैनलों से स्वच्छ बिजली का उत्पादन बढ़ता है, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता कम होती है तथा जल के वाष्पीकरण में भी उल्लेखनीय कमी आती है।इस प्रकार एक ही परियोजना ऊर्जा उत्पादन और जल संरक्षण–दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करती है।भारत ने पिछले एक दशक में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय पहचान बनाई है।सूर्य सरोवर योजना उस यात्रा को नई गति प्रदान करेगी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत बनाएगी।सूर्य सरोवर योजना का महत्व केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है।यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता,पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। आज पूरी दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि का संकल्प लिया है। ऐसे समय में जलाशयों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विस्तार इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे कृषि योग्य भूमि सुरक्षित रहती है। जलाशयों की सतह पर लगे सौर पैनल पानी के वाष्पीकरण को कम करते हैं, जिससे जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।साथ ही जल की ठंडक के कारण सौर पैनलों की कार्यक्षमता में भी सुधार होता है। इस प्रकार यह योजना ऊर्जा, पर्यावरण और जल प्रबंधन–तीनों क्षेत्रों में एक साथ सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता रखती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का तीसरा महत्वपूर्ण निर्णय खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को स्वीकृति देना है।पिछले एक दशक में भारत के खिलाड़ियों ने ओलंपिक,पैरालंपिक, एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।इन सफलताओं के पीछे खेल अवसंरचना का विस्तार,प्रतिभा पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने की नीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। खेलो इंडिया मिशन के नए चरण का उद्देश्य देशभर में खेल संस्कृति को और मजबूत करना, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान करना, महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना तथा खेल विज्ञान, पोषण, खेल चिकित्सा और आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली को और सुदृढ़ बनाना है।भारत यदि वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करना चाहता है, तो ऐसी योजनाएँ आधारभूत भूमिका निभाएँगी।वास्तव में इन तीनों निर्णयों का सामूहिक विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार ने विकास की ऐसी त्रिस्तरीय रणनीति अपनाई है,जिसमें अन्नदाता की आर्थिक सुरक्षा, हरित ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और युवा शक्ति के माध्यम से मानव संसाधन विकास को समान महत्व दिया गया है।यही विकसित भारत की वह अवधारणा है जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व भी शामिल है।लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय संकल्प वाले ये निर्णय केवल बजटीय घोषणाएँ नहीं हैं,बल्कि देश के भविष्य में किया गया दीर्घकालिक निवेश हैं। कृषि क्षेत्र में स्थिर आय, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार और खेल प्रतिभाओं का विकास–ये तीनों मिलकर भारत की उत्पादक क्षमता,सामाजिक पूंजी और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी नीति की वास्तविक सफलता उसकी घोषणा में नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुँचे, सूर्य सरोवर योजना की परियोजनाएँ समयबद्ध ढंग से पूरी हों और खेलो इंडिया मिशन के अंतर्गत तैयार होने वाली सुविधाएँ वास्तव में खिलाड़ियों तक पहुँचें - यही इन निर्णयों की सफलता का वास्तविक पैमाना होगा।

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, नियमित निगरानी और पारदर्शी कार्यप्रणाली इन योजनाओं को अपेक्षित परिणाम तक पहुँचाने में निर्णायक सिद्ध होगी।31 जुलाई 2026 की केंद्रीय मंत्रिमंडल बैठक के निर्णय यह संदेश देते हैं कि भारत अब विकास के ऐसे मॉडल की ओर बढ़ रहा है,जहाँ किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि आर्थिक विकास का आधार है; स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था की शक्ति है; और युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार है।यदि इन योजनाओं का क्रियान्वयन घोषित उद्देश्यों के अनुरूप हुआ,तो आने वाले वर्षों में यह दिन भारतीय विकास यात्रा के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में याद किया जाएगा, जब सरकार ने कृषि,हरित ऊर्जा और युवा शक्ति–इन तीनों क्षेत्रों को एक साथ नई दिशा देकर विकसित भारत के संकल्प को और अधिक ठोस आधार प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चेकपॉइंट पर हुआ जोरदार धमाका, सात पुलिसकर्मी की मौत और 22 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। इस बीच पुलिस ने बताया है कि पाकिस्तान के उत्तरी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में आतंकवादियों के एक ग्रुप ने पुलिस चेकपॉइंट पर हमला कर दिया। इसमें कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर तारिक हबीब ने बुधवार देर रात स्थानीय मीडिया को बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए और छह दूसरे घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि बचे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए इलाके में क्लीयरेंस ऑपरेशन जारी है। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को आतंकियों ने लगातार निशाना बनाया है, जिसमें कई जवान मारे जा चुके हैं। इससे पहले 23 जुलाई को खैबर पख्तूनख्वा में एक सुरक्षा चौकी पर आत्मघाती हमला हुआ था। इसमें सुरक्षा कर्मियों, पुलिस और वन विभाग के एक अधिकारी समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हुई थी। वाशिंगटन अमेरिका में सात साल से रहने वाले भारतीयों को अब ग्रीन कार्ड मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी आप्रवासन को लेकर नया प्रस्ताव आया है। डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला ने नया बिल पेश किया है। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त आप्रवासन नीति के जवाब में लाया गया है। इस बिल का मकसद अमेरिका में कम-से-कम सात साल से लगातार रह रहे भारतीयों को ग्रीन कार्ड देना है। इससे एच-1बी वीजाधारकों को खास फायदा मिल सकता है। इस प्रस्ताव से 80 लाख से ज्यादा लोगों को लाभ होगा। पैडिला के मुताबिक, कांग्रेस इन लोगों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। हालांकि, रिपब्लिकन इसके उलट काम कर रहे हैं, इसलिए बिल का पास होना फिलहाल मुश्किल लगता है।

नेपाल : सांप्रदायिक हिंसा पर सर्वदलीय बैठक, शांति की अपील

सुनसरी , एजेंसी। पूर्वी नेपाल के सुनसरी जिले में दो धार्मिक समुदायों के बीच हुई हिंसा के बाद बुधवार को सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। आठ राजनीतिक दलों के नेताओं ने साझा बयान जारी कर सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता और शांति बनाए रखने की अपील की है। रविवार को भारत सीमा से सटे कप्तानगंज में झड़प के दौरान पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने घटना पर दुख जताते हुए पीड़ितों को न्याय का आश्वासन दिया है।

कांगो में तेजी से फैल रहा इबोला, संयुक्त राष्ट्र ने कहा- प्रयासों में तेजी लाना जरूरी

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला से निपटने के प्रयासों को बढ़ाने की अपील की है, क्योंकि महामारी का फैलाव बचाव के प्रयासों की तुलना में बहुत तेजी से हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ इबोला समन्वयक जूलियन हार्नीस और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काऊ ने बुधवार (स्थानीय समय) को डीआरसी के इतुरी प्रांत की राजधानी बूनिया से एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में यह अपील की। ??बूनिया इबोला के प्रकोप का केंद्र भी है। हार्नीस ने कहा, 'पिछले 24 घंटों में कांगो में इबोला से 50 लोगों की मौत हुई है और मामलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जो हर 20 दिन में दोगुनी हो रही है। यह हमारे बचाव के प्रयासों की गति की तुलना में कहीं अधिक तेज वृद्धि है और इसलिए महामारी और हमारे बचाव के प्रयासों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। स्काऊ ने कहा कि डीआरसी में इबोला का प्रकोप अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला इबोला संकट है। 'तुलना करें तो, पिछले दो महीनों में (डीआरसी में) 1,000 लोगों की मौत हुई है। जबकि पश्चिम अफ्रीका में 8 महीने में 1,000 लोगों की मौत हुई थी।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बचाव के प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की मांग की। स्काऊ ने कहा कि पूर्वी डीआरसी में लंबे समय से चल रहे संघर्ष के कारण लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग खाद्य असुरक्षा के संकट या आपातकालीन स्थिति में हैं। इबोला के प्रकोप का केंद्र इतुरी सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां लगभग 20 लाख (2 मिलियन) लोगों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है। हार्नीस ने कहा, 'बचाव के प्रयासों को तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसमें अधिक फंडिंग, आपूर्ति, चिकित्सा दल और जरूरतमंदों तक पहुंच शामिल है।

ईरान पर हमले रोकने का बिल एक वोट से गिरा, अब राष्ट्रपति को मिलिट्री एक्शन का अधिकार

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिर गया है। गुरुवार को हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 49 और विरोध में 50 वोट पड़े। ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान पर हमलों से पहले संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति खुद यह फैसला नहीं ले सकते थे।

ईरान जंग को लेकर विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद ही ले। ताजा घटनाक्रम के बाद इसे सीनेट में लाने के लिए दोबारा कोशिश करनी होगी। सैन्य कार्रवाई रोकने का विधेयक फिलहाल अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी कमेटी के पास है।

ट्रंप के हमलों के बाद बढ़ी थी मांग

पिछले हफ्तों में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों के बाद विपक्षी डेमोक्रेटिक सांसद और कुछ रिपब्लिकन सांसद लगातार मांग कर रहे थे कि युद्ध जैसे बड़े फैसले संसद की मंजूरी से ही हों। उनका तर्क है कि संविधान के मुताबिक युद्ध घोषित करने का अधिकार कांग्रेस के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं है। लेकिन गुरुवार की वोटिंग में रिपब्लिकन बहुमत ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। उनका कहना है कि विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में राष्ट्रपति को तेजी से फैसला लेने की आजादी मिलनी चाहिए।

ईरान ने दी अमेरिका को चेतावनी

इस बीच ईरान से भी कड़ी प्रतिक्रिया आई है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि केशम आईलैंड पर हुई अमेरिकी बमबारी में नागरिकों की मौत के लिए पूरी तरह से अमेरिका जिम्मेदार है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि अमेरिका को इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि नागरिक ठिकानों पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। केशम आईलैंड पर हुए हमले में कितने लोग मारे गए, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। लेकिन ईरानी मीडिया ने इसमें कई आम नागरिकों के मारे जाने का दावा किया है।

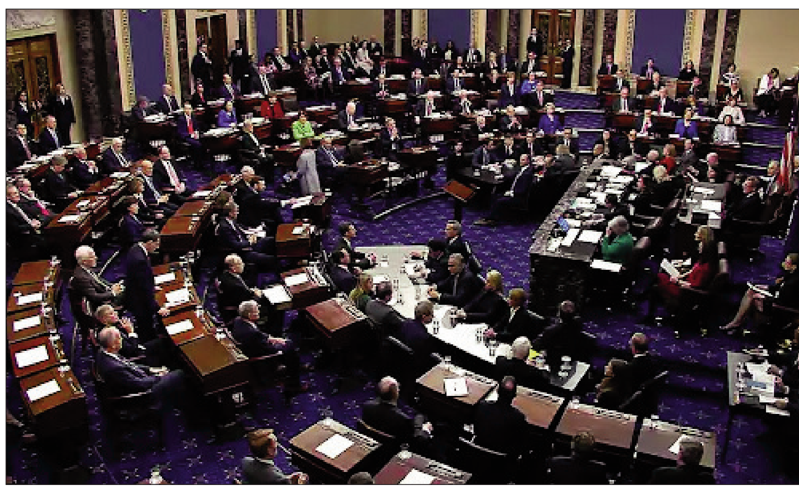

जापान में भूकंप से मौतों का आंकड़ा 28 पहुंचा; मॉल के मलबे में रेस्क्यू जारी

टोक्यो, एजेंसी। जापान के कुमामोटो प्रांत में 28 जुलाई को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। कुमामोटो प्रशासन ने बताया है कि राहतकर्मी अब भी ढहे हुए एयॉन शॉपिंग मॉल के मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं, हजारों लोग बिजली-पानी के बिना भीषण गर्मी झेल रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मॉल से अब तक 10 लोगों को बाहर निकाला गया है। इनमें 4 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति की हालत गंभीर है और 5 लोग घायल हैं। राहतकर्मी अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

भूकंप के बाद हजारों घरों में बिजली और पानी की सप्लाई ठप है। गुरुवार सुबह तक करीब 22,670 घरों और संस्थानों में बिजली नहीं थी, जबकि 84 हजार से ज्यादा घरों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। राहत शिविरों में भीषण गर्मी के बीच लोगों को ठहराया गया है और सरकार ने वहां एयर कंडीशनर भेजे हैं।

यात्सुशिरो शहर की निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज फैक्ट्री में चिमनी गिरने से 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4 लोग अब भी लापता हैं।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख : प्रधानमंत्री ताकाइची ने भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति शोक जताया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार तेजी से नुकसान का जायजा ले रही है। सभी संबंधित मंत्रालय और सरकारी एजेंसियां राहत और बचाव के शुरुआती काम में जुटी हुई हैं।

450 राहत शिविर बनाए गए

प्रधानमंत्री ने बताया कि लगभग 450 राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां करीब 7,700 लोग ठहरे हुए हैं। सरकार इन शिविरों में खाना-पानी, बिस्तर, सफाई का सामान, टॉयलेट पेपर, एयर कंडीशनर और बिजली की व्यवस्था जैसी जरूरी चीजें उपलब्ध कराने में लगी हुई है।

राहत-बचाव अभियान हुआ तेज : उन्होंने कहा 'मैंने अधिकारियों से फिर कहा है कि वे प्रभावित लोगों और स्थानीय प्रशासन की जरूरतों को ठीक से समझें और राहत शिविरों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करें। खासकर गर्मी को देखते हुए हीट स्ट्रोक से बचाव के पूरे इंतजाम किए जाएं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में लोग अपनी गाड़ियों में रह रहे हैं, इसलिए मैंने पर्याप्त पेट्रोल उपलब्ध कराने और स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, ताकि लंबे समय तक गाड़ी में बैठे रहने से होने वाली 'इकोनॉमी क्लास सिंड्रोम' जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सके।

पीएम ने बुलाई आपात बैठक : बुधवार को प्रधानमंत्री ताकाइची ने कुमामोटो भूकंप को लेकर दूसरी आपातकालीन आपदा प्रबंधन बैठक की। इस बैठक में कुमामोटो के गवर्नर किमुरा और कैबिनेट कार्यालय के उपमंत्री त्सुशिमा ने ऑनलाइन हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर किया पोस्ट : उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'बचाव और राहत अभियान के लिए सेल्फ-डिफेंस फोर्स के जवानों की संख्या बढ़ाकर लगभग 4,600 कर दी गई है। इसके अलावा करीब 2,000 पुलिसकर्मी और 1,400 अग्निशमन कर्मी भी लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। उन्होंने लिखा, 'राहत-बचाव का काम समय के खिलाफ एक दौड़ है। 'आईओएन मॉल कुमामोटो' और 'निप्पॉन पेपर यात्सुशिरो मिल' समेत कई जगहों पर अभी भी लोग फंसे हुए हैं और उन्हें बचाए जाने का इंतजार है।

बिजली-पानी बहाल करने पर जोर

उन्होंने कहा कि सरकार बिजली और पानी जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। वहीं, जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्स पानी पहुंचाने और मरीजों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने का काम कर रही है।

मौत की सजा और गिरफ्तारी के खतरे के बावजूद दिसंबर तक बांग्लादेश लौटेंगी हसीना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर अपने देश लौटने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बड़ा बयान दिया है। समाचार एजेंसी एएफपी को दिए ईमेल इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह इस साल दिसंबर तक हर हाल में अपने देश बांग्लादेश लौटेंगी, चाहे उन्हें गिरफ्तार किया जाए, जेल भेजा जाए या फांसी का सामना करना पड़े। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद सत्ता छोड़कर भारत आईं शेख हसीना फिलहाल दिल्ली में निर्वासन का जीवन बिता रही हैं।

बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। इसके बावजूद हसीना का कहना है कि वह अपने लोगों की पुकार पर वापस लौटेंगी और अदालत का सामना करेंगी। इससे पहले रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में भी उन्होंने दिसंबर तक बांग्लादेश लौटने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि मृत्यु भी आए, तो वह अपनी मातृभूमि पर आए, जहां उनके माता-पिता दफन हैं। हसीना के इस बयान के बाद बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर भुचाल आ गया है।

मौत की सजा के बावजूद वापसी का ऐलान

बता दें कि इससे पहले रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में भी उन्होंने दिसंबर तक देश लौटने और अदालत का सामना करने की बात कही थी, ताकि वह अपने उन पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी हो सकें जिनका दमन किया जा रहा है।

मेरी मौत मेरे देश में हो- शेख हसीना

शेख हसीना ने आगे कहा था कि 'मैं चाहती हूं कि अगर मौत आए तो मेरी अपनी धरती पर आए, जिस स्थान पर मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।' उनके पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान 1975 में एक सैन्य विद्रोह में मारे गए थे। जिसके बाद सैनिकों की एक टुकड़ी ने राष्ट्रपति आवास के अंदर घुसकर शेख मुजीबुर रहमान के साथ उनकी पत्नी और बेटों की भी निर्मम हत्या कर दी थी। इस हमले में शेख मुजीब की केवल दो बेटियां, शेख हसीना और शेख रेहाना ही जिंदा बची थीं, क्योंकि वे बांग्लादेश से बाहर थीं।

जॉर्डन हमले का अमेरिका ने लिया बदला: ईरान के कई ठिकानों पर बरसाए बम

वाशिंगटन, एजेंसी। जॉर्डन में अपने सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के कई रक्षा और मिसाइल ठिकानों पर जोरदार पलटवार किया है। इस भीषण सैन्य कार्रवाई और समुद्री हमलों के कारण पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ गया है, जिससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है।

जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। अमेरिकी सेना ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसके बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमान के मुताबिक, यह अभियान करीब दो घंटे तक चला। इस दौरान इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। हमलों में सैन्य कमान केंद्र, मिसाइल और ड्रोन से जुड़े ठिकानों के अलावा कुछ वायु रक्षा प्रणालियों पर भी हमला किया गया।

ट्रंप ने क्या-क्या कहा : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले का जवाब देना जरूरी था। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सैनिकों और हितों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगा। उधर, ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित केशम द्वीप पर दो लोग घायल हुए हैं। वहीं दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम इलाकों में कई धमाकों की भी खबर है।

किन-किन देशों तक पहुंचा संघर्ष : तनाव का असर अब दूसरे देशों में भी दिखने लगा है। मिस्र के दमियेटा बंदरगाह पर खड़े दो गैस जहाजों पर ड्रोन हमले की खबर है। हमले के बाद दोनों जहाजों में आग लग गई। सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि ईरान समर्थित इराकी गुटों ने उसके तेल ठिकानों को निशाना बनाया। वहीं यमन के हूथी विद्रोहियों ने सऊदी ऊर्जा ठिकानों पर हमले की जिम्मेदारी ली है।

तेल बाजार पर क्या असर : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 7.3 प्रतिशत बढ़कर 88.09 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अरब देशों की मध्यस्थता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच तनाव कम नहीं हुआ है। फिलहाल किसी समझौते की संभावना नजर नहीं आ रही है। लगातार बढ़ते संघर्ष ने पूरे क्षेत्र में युद्ध का खतरा और बढ़ा दिया है। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता गहरा गई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम कराने के लिए ओमान, कतर और कुछ अन्य खाड़ी देश लगातार मध्यस्थता की कोशिश कर रहे थे। हालांकि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमले और उसके बाद अमेरिका की बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई के बाद बातचीत की प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई है। दोनों देशों की ओर से फिलहाल किसी औपचारिक वार्ता की घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में निकट भविष्य में युद्धविराम या तनाव कम होने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है। जॉर्डन की सेनाओं ने कहा कि गुरुवार तड़के ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

नेतन्याहू से मुलाकात के अगले दिन ही एक्शन में डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका ने ईरान पर फिर किया अटैक

वाशिंगटन , एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के अगले ही दिन पश्चिम एशिया में तनाव फिर चरम पर पहुंच गया है। कूटनीतिक बातचीत के बीच अमेरिका ने ईरान पर दोबारा हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिका के मुताबिक यह कार्रवाई जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में की गई है। पहले से ही जारी तनातनी के बीच अब ताजा हमलों ने चिंताएं और बढ़ा दी है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू से करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की थी।

इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने रिश्ते को बेहद सकारात्मक भी बताया था। दोनों पक्षों ने एक बयान जारी कर ईरान पर एकजुटता का संदेश भी दिया था। यह अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी में शुरू हुए युद्ध के बाद से ट्रंप और नेतन्याहू की पहली मुलाकात थी।

इस बैठक के तुरंत बाद ईरान ने जॉर्डन में तैनात अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि दावा है कि अमेरिकी रक्षा प्रणालियों ने सभी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। इसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्थानीय समयानुसार बुधवार रात 8 बजे से ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले शुरू कर दिए।

ट्रंप ने दी थी चेतावनी : इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्डन में अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान को करारा जवाब देगा और उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। बता दें कि इससे पहले दोनों पक्षों के बीच बीते जून महीने में हुआ समझौता पहले ही टूट गया था। अमेरिका ने जुलाई में करीब 2 सप्ताह तक ईरान पर लगातार हवाई हमले किए।

पीओके में प्रदर्शन बना खूनी संघर्ष?: पाक सेना की फायरिंग में 40 की मौत, यूएन पहुंचा मामला; दमन रोकने की मांग

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के लॉन्ग मार्च पर पाकिस्तान सेना और रेंजर्स की अंधाधुंध फायरिंग में 40 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हिंसा के बाद पीओके के कई इलाके सुलग उठे हैं और मामला अब संयुक्त राष्ट्र के दरबार में पहुंच गया है। कमेटी की अगुवाई में 5 जून से जारी इस आंदोलन में आम लोग स्थानीय नागरिकों के आर्थिक व नागरिक अधिकारों की मांग कर रहे थे। जब हजारों प्रदर्शनकारी सफेद झंडे लेकर रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर बढ़े, तो पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उन पर सीधी गोलियां और आंसू गैस के गोले बरसाए। घटना के बाद मानवीय संकट गहरा गया।

जम्मू-कश्मीर ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन ने संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क को ज्ञापन सौंपकर हिंसा पर तत्काल रोक की मांग की है। ज्ञापन में मांग की गई है कि निहत्थे नागरिकों पर सीधी गोलीबारी तुरंत रोकी जाए। रावलकोट में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ और मानवीय सहायता टीमें पहुंचाई जाएं। इधर मुजफ्फराबाद स्थित ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ आजाद जम्मू एंड कश्मीर ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, रेड क्रॉस, एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच से यही अपील की है।

बच्चों के साथ महिलाओं पर हुए अत्याचार

स्थानीय कार्यकर्ताओं के अनुसार, बाग, कोटली, मीरपुर, रावलकोट व मुजफ्फराबाद के आवासीय इलाकों में सेना की छापेमारी और लाठीचार्ज के दौरान महिलाओं और नाबालिग बच्चों को भी निशाना बनाया गया है। घटना के हफ्तेभर बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान सरकार की ओर से हताहतों के आधिकारिक और एकीकृत आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं, जिसे लेकर नागरिक समाज में काफी आक्रोश है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री बोले- पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि सरकार प्रदर्शनकारियों से कोई बातचीत नहीं करेगी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भारत की श्रेणी में रखते हुए उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन बताया। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में आसिफ ने कहा, प्रदर्शनकारियों से कोई संवाद नहीं होगा। मैं उन्हें भारत की श्रेणी में रखता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन मानता हूं। उन्होंने साफ किया कि सरकार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के पक्ष में नहीं है।

परिजनों को लाश भी नसीब नहीं : प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अधिकारियों द्वारा मृतकों के शवों को उनके परिजनों को सौंपने से रोका जा रहा है। रिश्तेदारों की सहमति के बिना ही शवों को दफनाया जा रहा है। आरोप है कि कुछ शवों को बेहद अपमानजनक तरीके से घसीटकर वाहनों में लादा गया। आंदोलनकारियों ने पाकिस्तानी मीडिया पर हिंसा के वास्तविक आंकड़ों को छिपाने और आंदोलन की गलत तस्वीर पेश करने का आरोप लगाया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर जारी वीडियो और स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के बयान यह दर्शाते हैं कि स्थिति सरकारी दावों से कहीं अधिक भयावह है।

सलमान रुश्दी हमला मामला: अमेरिकी अदालत ने हादी मातार को आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने वर्ष 2022 में न्यूयॉर्क में लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला करने के मामले में एक अमेरिकी नागरिक को संघीय आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराया है। बफेलो (न्यूयॉर्क) की एक संघीय जूरी ने बुधवार को न्यू जर्सी के फेयरव्यू निवासी हादी मातार को दोषी करार दिया। उसे प्रतिबंधित विदेशी आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला को मदद देने की कोशिश करने, अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े आतंकवादी कृत्य में शामिल होने और आतंकवादियों को सहायता देने के आरोपों में दोषी पाया गया। न्यूयॉर्क के पश्चिमी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी माइकल डीजियाकोमो ने कहा कि अमेरिका में जन्मे और पले-बढ़े हादी मातार (28 वर्षीय) ने अपने मूल्यों को ईरान के नेताओं की उस आतंकवादी सोच के साथ जोड़ लिया, जो अक्सर हिंसा और इस मामले में हत्या की अपील करते हैं। 12 अगस्त 2022 को मातार ने सलमान रुश्दी की हत्या करने की कोशिश की थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने यह हमला 1988 में प्रकाशित रुश्दी के उपन्यास 'सैटेनिक वर्सेज' को लेकर जारी किए गए फतवे को पूरा करने के मकसद से किया था। राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए. आइजनबर्ग ने कहा, मातार ने एक साल से अधिक समय तक हिजबुल्ला की हिंसक विचारधारा को अपनाया। ईरान के अयातुल्लाओं की ओर से जारी उस फतवे को लागू करने की तैयारी की, जिसमें रुश्दी की हत्या की बात कही गई थी।

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है। बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

मेहँदी है रचने वाली

हाथों में गहरी लाली

मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो

फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं। बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा

वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं। पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं।

रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज

राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण

कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।
इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली -2991

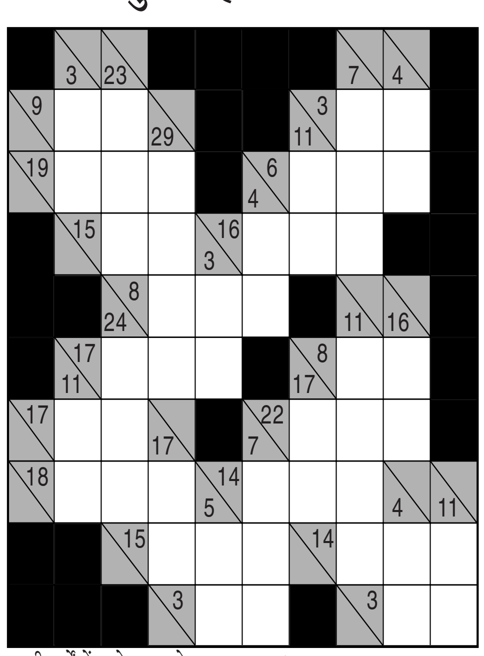

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

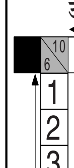

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2990 का हल

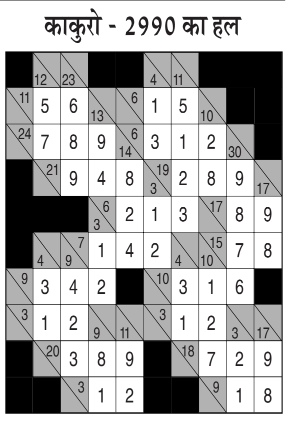

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला, उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली, 'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला, 'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2991

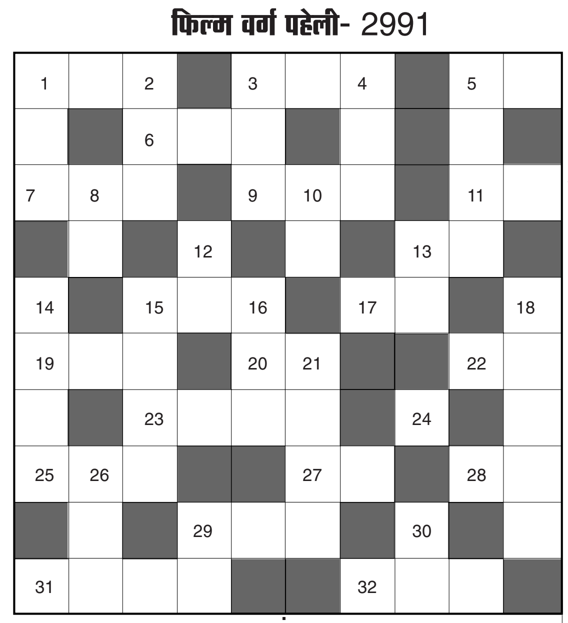

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2990

पि	या	का	घ	र		ह	थ	क	ड़ी
ता	श		रैं		दो	स्ती		न्या	
	ना	खु	दा		बा		अं	दा	ज
ह		श		कुं	द	न		न	
म	ज	बु	र		न	ज	र		म
सा	या		त	ब्बू		श		डॉ	न
या		आ	न		कि	ना	श		च
	गै	र		मै	ला		म	वा	ली
प्या		पा	पी			श	जा		
सा	ग	र		श	खी		ने	पा	ल

सूडोकु -2991

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2990 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2991

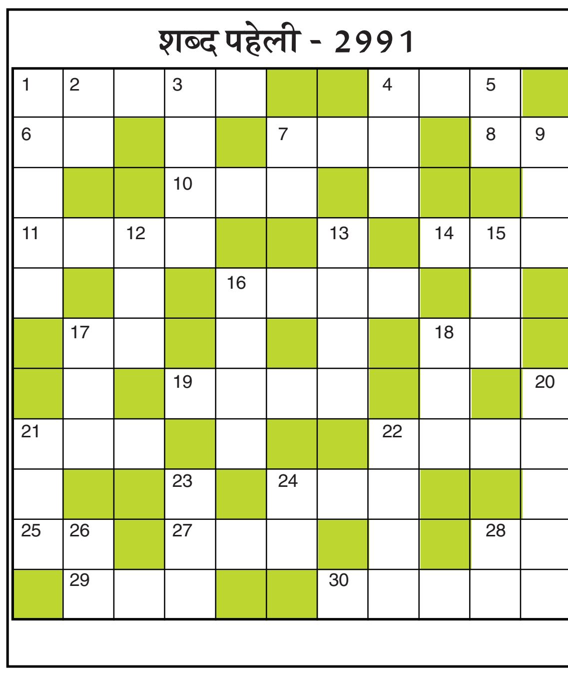

बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली -2990 का हल

	प	रा	या	प	न		म	च	ल	ना
सां	ग		च		का	ली	न		त	ट
व		त	क	रा	र		का	ल		की
ला	चा	र			दे	श		त	न	य
प		ती		पा	ना		गा		क	
न	क	ब	ज	न		चा	ल	च	ल	न
	हा		मा		च	र		ह		म
म	र	ना		द	म			क	स	क
र		श	क		क	रा	ह	ना		या
दू	ब		ल	बा	दा		रा		या	त्रा
द	या	क	र		र	च	ना	का	र	

बिहार पुलिस परीक्षा में नकल कराने के आरोप में एक सिपाही और दो होमगार्ड समेत आठ गिरफ्तार

सारण (बिहार)। सारण पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की 29 जुलाई को आयोजित गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अभिनायक अनुदेशक पद की लिखित परीक्षा में नकल कराने वाले समूह का पर्दाफाश किया है। पुलिस और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी की सतर्कता से परीक्षा केंद्र के भीतर और बाहर सक्रिय समूह के आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में दो अभ्यर्थी, एक सिपाही और दो होमगार्ड जवान भी शामिल हैं। मुफस्सिल थानांतर्गत आदर्श जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैनी केंद्र पर प्रवेश के दौरान फ्रिस्किंग सघन चेकिंग के दौरान दो परीक्षार्थियों विश्वजीत कुमार शर्मा वैशाली एवं अमित कुमार भोजपुर के पास से संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक ब्लूटूथ डिवाइस बरामद हुआ है। पुलिस पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि केंद्र के बाहर मौजूद उनके सहयोगी वॉकी-टॉकी के जरिए उत्तर पुस्तिका का हल उपलब्ध कराने वाले थे। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने परीक्षार्थियों की निशानदेही पर केंद्र के बाहर घेराबंदी कर छह अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से एक ब्लूटूथ डिवाइस, एक वॉकी-टॉकी सेट, दो चार्जर, बैटरी, नौ मोबाइल, एक कार, दो आधार कार्ड एवं दो प्रवेश पत्र जब्त किए गए।

स्वयं से ईमानदार प्रश्न करना ही सच्ची साधनाः राम बहादुर राय

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर स्वयं से ईमानदार प्रश्न करना ही सच्ची साधना है। अध्यक्ष राम बहादुर राय ने यह बात आज दिल्ली स्थित आईजीएनसीए के कलाकोश विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित प्रतिष्ठा दिवस पर कही। इस अवसर पर ग्रंथों का लोकार्पण और शोधपरक फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राम बहादुर राय ने कहा कि कलाकोश विभाग का यह वार्षिक आयोजन एक प्रकार का राष्ट्रीय उपनिषद बन गया है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार चंद्रमा सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिंबित करता है, उसी प्रकार गुरु शिष्य के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। गुरु पूर्णिमा पर स्वयं से ईमानदार प्रश्न करना और अंतर्मन के स्तर को मार्गदर्शक बनाना ही सच्ची साधना है। समारोह के दौरान ज्ञान परंपरा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रकाशनों का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा, निर्देशक एवं पटकथा लेखक संस्कार सुधीर देसाई की उपस्थिति में शोध आधारित फिल्म 'अष्टनायिका' का प्रदर्शन किया गया। देसाई ने बताया कि नाट्यशास्त्र की अवधारणाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने के उद्देश्य से निर्मित यह फिल्म उनके 35 वर्षों के गहन अध्ययन का परिणाम है।

राष्ट्रपति से मिलीं केन्द्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, धार में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन के लिए किया आमंत्रित

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार से सांसद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति को अक्टूबर माह में धार में प्रस्तावित महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। केन्द्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने सोशल मीडिया एक्स पर उक्त जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें संसदीय क्षेत्र धार में आगामी अक्टूबर माह में प्रस्तावित वीरांगना महारानी रानी दुर्गावती के जन्मोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु सादर आमंत्रित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति से रानी दुर्गावती के अद्वितीय शौर्य, राष्ट्रभक्ति, महिला सशक्तिकरण तथा जनकल्याण के प्रेरणादायी जीवन पर सार्थक चर्चा हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री ने राष्ट्रपति को प्रस्तावित आयोजन की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं, युवा उद्यमी, नवाचार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला प्रतिनिधि तथा समाज सेवा और महिला नेतृत्व में योगदान देने वाली महिलाएं भाग लेंगी।

सोशल मीडिया पर आरक्षण समाप्त करने की मांग संविधान की भावना के विरुद्ध, ऐसे तत्वों के खिलाफ होगी सख्त कानूनी कार्रवाई : रामदास आठवले

नई दिल्ली। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे 'आरक्षण हटाओ' अभियान पर मैं कड़ी आपत्ति जताता हूं और इस प्रकार की पोस्ट और अभियान भारतीय संविधान की मूल भावना तथा सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध हैं।

पत्रकार वार्ता में रामदास आठवले ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ लोग संगठित रूप से आरक्षण समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। यह न केवल संविधान प्रदत्त अधिकारों पर प्रश्नचिह्न लगाने का प्रयास है बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करने वाली प्रवृत्ति है। ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा और कानून के अनुरूप कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू से 1,605 अमरनाथ तीर्थयात्री बालटाल बेस कैंप रवाना

जत्थे के गुजरते ही मरम्मत के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर यातायात रोका गया

एजेंसी

जम्मू। अमरनाथ तीर्थयात्रियों का 24वां जत्था आज तड़के 2:42 बजे जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हो गया। इस बीच, जरूरी मरम्मत के लिए जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर यातायात पूरी तरह रोक दिया गया है।सुखद यह है कि इससे पहले ही यह जत्था बिना बाधा के आगे बढ़ गया। संयुक्त

पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार 24वां जत्थे में शामिल तीर्थयात्री 54 गाड़ियों से रवाना हुआ। इनमें 38 बसें, सात मीडियम मोटर गाड़ियां और नौ लाइट मोटर गाड़ियां शामिल हैं। इस जत्थे में 1,215 पुरुष, 335 महिलाएं, 48 साधु, पांच साध्वी और साधुओं के साथ दो बच्चे शामिल हैं। इस जत्थे के साथ इस साल भगवती नगर बेस कैंप से रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 1,35,806 हो गई है।

उधमपुर और रामबन जिला प्रशासन के अलग-अलग आदेशों के बाद आज जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे (एनएच-44) पर गाड़ियों की आवाजाही को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। यह कदम उधमपुर जिले के गंगरू, किश्तवाड़ी पत्थर, समरोली और लाधा जैसी संवेदनशील जगहों पर सड़क की मरम्मत, मलबा हटाने और ढलान को मजबूत करने के मद्देनजर उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अमरनाथ यात्रियों का जत्था ट्रैफिक रोके जाने से पहले ही हाइवे के प्रभावित हिस्से को पार कर गया।

पीएम मोदी ने अरुणाचल और नगालैंड के सांसदों को दिया भरोसा, बाढ़ से निपटने में केंद्र देगा पूरा सहयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के पांच सांसदों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सभी जरूरी सहायता देगी और संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर समन्वय से काम करती रहेगी। दोनों पूर्वोत्तर राज्यों के सांसदों से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के सांसदों से मुलाकात हुई। हमने बाढ़ के कारण इन राज्यों में बनी स्थिति पर बात की। केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर चुनौतियों से निपटने के लिए काम करती रहेगी। सभी के कुशल और सुरक्षित रहने की कामना करता हूं।' केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के नेतृत्व में पांच सांसदों ने संसद भवन, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान दोनों राज्यों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई। बाद में किरेन रिजिजू ने एक्स पर

लिखा, 'अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से संसद भवन में मुलाकात कर दोनों राज्यों की बाढ़ स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने हर संभव मदद का भरोसा दिया और प्रभावित लोगों के लिए समय पर राहत, पुनर्स्थापन और सहायता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी निर्देश भी दे दिए हैं। '

जनजातीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा नामांकन के लिए अधिकाधिक प्रयास हों -राज्यपाल

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में नवनिर्मित अकादमिक भवन, कुलगुरु आवास और स्वामी विवेकानंद प्रतिमा का लोकभवन से ऑनलाइन अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा जितनी गुणवत्तापूर्ण और समयानुरूप होगी, उतनी ही वह जीवन के लिए अधिक उपयोगी और सार्थक होगी। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा नामांकन के लिए भी अधिकाधिक प्रयास किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनका शिक्षा दर्शन विद्यार्थी के चरित्र निर्माण, आत्म-विश्वास और सर्वांगीण विकास से जुड़ा है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए भी निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राजस्थान को नशामुक्त करने में स्थानीय लोगों से चर्चा कर निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने टीबी मुक्त और नशामुक्त बांसवाड़ा 'आत्मनिर्भर भारत' के अंतर्गत स्थानीय संसाधनों से विकसित तकनीक का आधुनिकीकरण करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने आचार्यों का

अभियान चलाए जाने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि आदिवासी जल, जंगल और जमीन के सच्चे प्रहरी होते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा जनजातीय जल और प्रकृति संरक्षण परंपराओं के आलोक में अधिकाधिक शोध और अनुसन्धान किए जाने की आवश्यकता जताई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें 'लोकल से ग्लोबल' और आह्वान किया कि वे ऐसी विद्या का प्रसार करे जिससे विद्यार्थी अपने आपको पहचान सके और अपने पैरों पर खड़ा होने की क्षमता अपने अंदर विकसित कर सके। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी भी ऑनलाइन कार्यक्रम से जुड़े और इस अवसर पर नव निर्मित भवनों और स्वामी विवेकानंद प्रतिमा के अनावरण की शुभकामनाएं दी।

विद्यार्थियों के साथ किचन में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बनाए समोसे और बनाई विशेष डिश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पूसा का दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों के साथ समय बिताया और संस्थान की किचन में जाकर उनके साथ कुकिंग में भी हाथ आजमाया।

शेखावत ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर समोसे और विशेष पकौड़े की डिश तैयार की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से हॉस्पिटैलिटी और कुकिंग के क्षेत्र में उनके अनुभवों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों के साथ बिताए इन यादगार पलों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि संस्थान में आज कुछ नया सीखने और थोड़ा-सा कुकिंग में हाथ आजमाने का मौका मिला। मेरी बनाई डिश का स्वाद चखने के बाद सभी ने कहा– सर, अच्छा बना है।उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, अब सच में अच्छा बना था... या फिर स्टूडेंट्स ने

सिर्फ मेरा कॉन्फिडेंस बढ़ा दिया, ये राज तो वही जानते हैं! शेखावत ने कहा कि एक बात तय है कि देश के ये युवा शेफ अपने हुनर, जुनून और मेहनत से भारत की हॉस्पिटैलिटी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पूसा भारत के प्रमुख होटल मैनेजमेंट संस्थानों में से एक है और भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत संचालित होता है। वर्ष 1962 में स्थापित यह संस्थान होटल मैनेजमेंट एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में विद्यार्थियों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। संस्थान द्वारा होटल मैनेजमेंट और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

राहुल गांधी एक अगस्त को तमिलनाडु दौरे पर, मुख्यमंत्री विजय से करेंगे मुलाकात

एजेंसी

चेन्नई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक अगस्त को तमिलनाडु के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह कांग्रेस के संगठनात्मक प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे और पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। साथ ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से उनकी मुलाकात भी प्रस्तावित है। राजनीतिक हलकों में इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस के संगठनात्मक पुनर्गठन अभियान के तहत 23 जुलाई से एक अगस्त तक तमिलनाडु में पार्टी पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में माणिक्कम ठाकुर के कार्यभार संभालने के बाद आयोजित इस शिविर का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और आगामी चुनावों की रणनीति तैयार करना है। समयऔर कैलेंडर चेन्नई के निकट महाबलीपुरम में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में जिला कांग्रेस

अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों को संगठन विस्तार, आगामी उपचुनाव, स्थानीय निकाय चुनाव तथा भविष्य के लोकसभा चुनावों की तैयारियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन राहुल गांधी इसमें शामिल होंगे और पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा वह संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श भी करेंगे। कांग्रेस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के श्रमिकों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ संवाद और क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसका उद्देश्य पार्टी पदाधिकारियों को जमीनी स्तर पर जनसंपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों के लिए तैयार करना है।

राहुल गांधी अपने तमिलनाडु दौरे के दौरान मुख्यमंत्री विजय से भी मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान राज्य और राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच लंबे समय से चर्चा में रहे मेकेदातु बांध परियोजना के मुद्दे पर भी बातचीत हो सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने दिल्ली दौरे के दौरान राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। ऐसे में राहुल गांधी और मुख्यमंत्री विजय की प्रस्तावित बैठक को दोनों दलों के बीच राजनीतिक संवाद के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर में पुजारी बने पप्पु यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में मानसून सत्र के 12वें दिन शुक्रवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की रकम में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसद पप्पु यादव अनोखे अंदाज में पुजारी बनकर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र धारण कर पुजारी के रूप में जमीन पर कुछ दानपेटी लेकर बैठ गए। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी सांसदों ने उस दान पेटी में सांकेतिक रूप से चंदा डाला। पप्पू यादव के ठीक पीछे खड़े सांसदों के हाथों में पोस्टर थे, जिन पर गृह मंत्री की अनुपस्थिति को लेकर 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' जैसे सवाल लिखे हुए थे। उल्लेखनीय है कि मानसून सत्र के पहले दिन से ही (12 दिनों से लगातार) विभिन्न मुद्दों को लेकर जारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। विपक्षी पार्टियां सामाजिक मुद्दों, छात्रों के विरोध और धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में पारदर्शिता जैसे विषयों को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

गुजरात में अति भारी बारिश, कई जिलों में रेड अलर्ट

नवसारी में करंट से तीन मजदूरों की मौत

एजेंसी

अहमदाबाद/सूरत। गुजरात में भारी से अति भारी बारिश का नया दौर शुरू हो गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी रेड अलर्ट के बीच शुक्रवार सुबह छह से दस बजे तक राज्य के 87 तहसीलों में वर्षा दर्ज की गई है। सुबह आठ से दस बजे के बीच केवल दो घंटे में खेड़ा जिले के वसो में पांच इंच बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सूरत, वडोदरा और भरूच समेत कई शहरों में सड़कें जलमग्न हो गईं, जबकि सूरत में खाड़ियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

नवसारी जिले के गणदेवी तहसील के गणदेवा गांव के पास मजदूरों से भरा एक टेम्पो दुर्घटनावश बिजली के तार से टकरा गया। करंट फैलने से टेम्पो में सवार तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को खारेल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और एक गंभीर घायल को आगे के उपचार के लिए सूरत रेफर किया गया है। मरने वालों की अभी आधिकारिक पुष्टि नही की गई है। नवसारी पुलिस ने बताया कि

घटना की सूचना मिलते ही गणदेवी पुलिस मौके पर पहुंच गई। केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल भी स्थिति का जायजा लेने के लिए रवाना हो गए हैं।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में सुबह से मूसलाधार बारिश जारी है। वसो में दो घंटे में पांच इंच, बालासिनोर में लगभग ढाई इंच और नडियाद में एक इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। वडोदरा, भरूच, खेड़ा और छोटाउदेपुर में नदियां उफान पर हैं। हेरण नदी में बाढ़ आने से राजवासणा का रबर डैम पूरी तरह जलमग्न हो गया है।सूरत में लगातार बारिश के कारण कतारगाम, सूर्यपुर गरनाला और पोदार आर्केड रोड सहित कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। खाड़ियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचने से प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कतारगाम क्षेत्र में खुली सीवर लाइन और नगर निगम कर्मचारियों की कथित लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों में रोष है ।उधर नर्मदा जिले के तिलकवाड़ा में एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़ के पानी में फंसे एक युवक का सफल रेस्क्यू किया। राजपीपला-सिसोदरा मार्ग बह जाने के कारण यातायात बंद कर दिया गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) पूरी स्थिति पर चौबीसों घंटे नजर रखे हुए है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल गुजरात पर एक साथ चार मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। इनमें डीप डिप्रेशन, मानसून ट्रफ, अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस शामिल हैं। इन प्रणालियों के प्रभाव से दो अगस्त तक राज्य में भारी से अति भारी बारिश तथा गरज-चमक के साथ वर्षा की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. ए.के. दास ने बताया कि तटीय क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा अध्यक्ष व अन्य ने दी क्रांतिकारी उधम सिंह को बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत व अन्य ने आज क्रांतिकारी एवं भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी शहीद उधम सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हिम्मत और हौसले से भरी उनकी जीवनगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

बिरला ने एक्स पर लिखा, क्रांतिकारी, शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के अनुरूप एक सशक्त, समरस, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हमारा प्रण है। उनका बलिदान और देशभक्ति सदैव प्रेरित करती रहेगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अदम्य साहस एवं भारत को आजाद कराने के प्रयास से किया गया उनका बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। उनके बलिदान को यह देश न केवल याद रखेगा बल्कि उनसे हमेशा प्रेरणा भी प्राप्त करता रहेगा। केंद्रीय गृह एवं महान क्रांतिकारी सरदार उधम सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र अभिवादन!

सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि स्वाधीनता के लिए हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमने वाले शहीद उधम सिंह का जीवन धैर्य, संकल्प और राष्ट्रभक्ति का अप्रतिम उदाहरण है। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि उनका अदम्य साहस, अटूट राष्ट्रभक्ति तथा सर्वोच्च बलिदान भारत के स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय बनकर प्रत्येक भारतवासी के हृदय में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की ज्योति सदैव प्रज्वलित करता रहेगा।

सहमति की आयु 18 वर्ष ही रखने की सिफारिश, विशेषज्ञों ने भारतीय नैतिक मूल्यों और पारिवारिक व्यवस्था को मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली। किशोरों के सहमति आधारित संबंधों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में न्यायपालिका, चिकित्सा, मनोविज्ञान, शिक्षा और विधि क्षेत्र के विशेषज्ञों ने सहमति की आयु 18 वर्ष बनाए रखने की सिफारिश की। विशेषज्ञों ने कहा कि सहमति की आयु कम करने के बजाय परिवार संस्था, भारतीय नैतिक मूल्यों, मूल्य आधारित शिक्षा, परामर्श व्यवस्था और मौजूदा कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को मजबूत किया जाना चाहिए। संगोष्ठी की सिफारिशों को नीति दस्तावेज के रूप में केंद्र सरकार, सांसदों, विधि आयोग और अन्य संबंधित संस्थानों को भेजा जाएगा। संस्कृतिक गौरव संस्थान की ओर से यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के उपसभापति सभागार में 'किशोरों के सहमति आधारित संबंध : चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक एवं कानूनी परिप्रेक्ष्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

खरगे और केजरीवाल ने उधम सिंह के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। महान क्रांतिकारी और जलियांवाला बाग नरसंहार का प्रतिशोध लेने वाले शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, आआपा के संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति तथा बलिदान को याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महान क्रांतिकारी सरदार उधम सिंह को नमन करते हुए कहा कि वे अदम्य साहस और देशभक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असीम देशभक्ति और

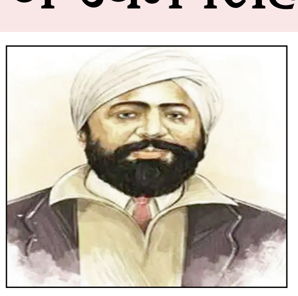

अद्भुत हौसले की मिसाल सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन। उन्होंने कहा कि जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेकर मां भारती के इस सच्चे सपूत ने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। उनका अटूट संकल्प और मातृभूमि के प्रति प्रेम हर पीढ़ी के लिए राष्ट्रसेवा की अमर प्रेरणा बना रहेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरदार उधम सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने जलियांवाला बाग नरसंहार का प्रतिशोध लेकर भारत के स्वाभिमान, साहस और न्याय के संकल्प को पूरी दुनिया के सामने स्थापित किया। उनका त्याग, पराक्रम और बलिदान राष्ट्र को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि, सरदार उधम सिंह ने 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ'ड्वायर की गोली मारकर हत्या की थी। ओ'ड्वायर को 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार के लिए जिम्मेदार माना जाता था। इस घटना के बाद उधम सिंह को गिरफ्तार किया गया और 31 जुलाई, 1940 को लंदन की पेंटनविल जेल में उन्हें फांसी दे दी गई।

प्रीति गोल्ड मेडल से एक कदम दूर

5-0 की जीत के साथ फाइनल में धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के महिला 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की है। तीसरे राउंड में शानदार काउंटर अटैक और लगातार सटीक पंचों के दम पर प्रीति ने मुकाबले पर पूरा कंट्रोल बनाए रखा और अब गोल्ड मेडल मुकाबले में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से भिड़ेंगी। बॉक्सर प्रीति ने भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है।

भिवानी की रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। भारतीय बॉक्सर ने मुकाबले के ज्यादातर समय म्वापे पर बढ़त बनाए रखी। उन्होंने चालाकी से म्वापे को अपनी ओर आकर्षित किया और असरदार काउंटर-अटैक किए, जिसमें उनका 'लेफ्ट स्ट्रेट' पंच खास तौर पर कारगर रहा।

फाइनल मुकाबले से पहले क्या बोलीं प्रीति पवार?

जीत के बाद प्रीति नें कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने वही किया जिसकी मैंने तैयारी की थी। गोल्ड मेडल के लिए मुझे कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मैं कभी भी अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में नहीं लेती और हमेशा अपने कोच के साथ मिलकर विस्तार से तैयारी करती हूं। मुझे खुशी है कि मैं उन योजनाओं को सही ढंग से लागू कर पा रही हूं।'

प्रीति के खिलाफ म्वापे को करना पड़ा संघर्ष

मुकाबले के दौरान म्वापे को सटीक पंच लगाने में काफी संघर्ष करना पड़ा और जब भी प्रीति ने कॉम्बिनेशन स्ट्राइक (लगातार कई पंच) किए, तो म्वापे को मार खानी पड़ी। जाम्बियन बॉक्सर के संघर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें पहले दो राउंड में तीन बार 'एट-काउंट' (रेफरी द्वारा गिनती) का सामना करना पड़ा।

प्रीति पवार की बड़ी उपलब्धियां

साल 2026 में प्रीति ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। इसके अलावा इसी साल उन्होंने गोल्ड ग्रांड प्रिक्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक में 54 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधत्व करने वाली प्रीति ने 2025 में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, वो पहली बार सुर्खियों में साल 2022 एशियन गेम्स में आई जब उन्होंने इस ब्रोंज मेडल जीता था।

बॉक्सिंग में रिकॉर्ड मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत की ओर से पहले रिकॉर्ड बन चुका है। भारतीय बॉक्सर 10 मेडल पक्का कर चुके हैं जो बॉक्सिंग में सर्वाधिक है। बर्मिंघम में भारत ने 7 मेडल जीते थे। 7 में से 3 गोल्ड, एक सिल्वर और 3 ब्रोंज मेडल शामिल था।

एक बेटे की मां और पीएचडी होल्डर सीमा कालीरमन ने मचाया तहलका

रोमांचक मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल किया अपने नाम

नई दिल्ली। जब किस्मत और मेहनत साथ हो तो फिर बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही भारत की डिस्कस थ्रोअर महिला खिलाड़ी सीमा कालीरमन के साथ हुआ है। सीमा ने ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सीमा ने 58.65 मीटर का अपना बेस्ट थ्रो फेंका और मेडल जीता।

सीमा के महज दो थ्रो ही सही थे और बाकी फाउल के कारण अमान्य घोषित कर दिए गए थे। इन्हीं दो में से एक ने उन्हें मेडल दिला दिया। उन्हें कैमरून की मोनी नोरा अतिम टक्कर दे रही थीं। आखिरी थ्रो में अगर वह 58.65 मीटर से ज्यादा का थ्रो फेंक देतीं तो सीमा के हाथ से मेडल चला जाता, लेकिन किस्मत ने यहां उनका साथ दिया और कैमरून की खिलाड़ी पीछे रह गई।

जमैका की समांथा हॉल ने 61.66 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर अपने नाम किया।

सीमा हैं पीएचडी होल्डर

सीमा के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, वह तीन साल के बेटे की मां हैं और साथ में वह फिजिकल एज्यूकेशन में डॉक्टरेट हैं। हरियाणा से आने वाली 27 साल की सीमा ने मां बनने के बाद पिछले साल नेशनल गेम्स में वापसी की थी। उनका बेटा तीन साल का है और ऐसे में उनके लिए खेल के लिए समय निकालना काफी मुश्किल भरा रहता है। इस दौरान उनके पति रवींद्र जो उनके कोच भी हैं उन्होंने सीमा की हौसल अफजाई की।

रवींद्र खुद नेशनल स्तर के डिस्कस थ्रोअर रह चुके हैं। उनके मार्गदर्शन से ही सीमा ने अपने करियर के मुश्किल पड़ाव को पार किया और यहां तक का सफर तय किया। मां बनने के बाद सीमा को तमाम तरह की दिक्कतें आ रही थीं। वह सही से थ्रो भी नहीं कर पा रही थीं, लेकिन पति की मदद से उन्होंने सारी बाधाओं को पार किया।

सीमा ने जारी रखी परंपरा

ये उनका बड़े मंच पर पहला मेडल है। इसी के साथ उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में भारतीय महिलाओं के मेडल जीतने की परंपरा को जारी रखा है। यह भारत का महिला डिस्कस थ्रो में नौवां मेडल है। इसी के साथ सीमा कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में मेडल जीतने वाली भारत की छठी महिला खिलाड़ी हैं।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाने पर भड़के हर्षा

मुंबई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाए जाने का फैसला चर्चा का विषय बन गया है। युवा बल्लेबाज को ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले भी इस फैसले से सहमत नजर नहीं आए।

हर्षा भोगले ने क्या कहा?

हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वैभव सूर्यवंशी को सीनियर रेड-बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के पीछे क्या सोच रही होगी। उन्होंने 12 पारियों में 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनकी प्रतिभा असाधारण है, लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में अभी उनके सीखने की शुरुआत ही हुई है।'

रेड-बॉल क्रिकेट में अभी सीमित अनुभव

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर तेजी से पहचान बनाई है। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी काफी कम है। उन्होंने अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैचों में 207 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन रहा है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्हें उपकप्तानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

ईशान किशन करेंगे कप्तानी

ईस्ट जोन टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान होंगे। बल्लेबाजी क्रम में वैभव के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है।

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम

ईस्ट जोन की टीम में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं, जिससे गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नजर आ रहा है।

ईस्ट जोन टीम: ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, शुभ्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनीश दास।

दलीप ट्रॉफी 2026-27

जसप्रीत बुमराह के फिटनेस टेस्ट के नतीजे आए सामने

मुंबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए खेलने की मंजूरी दे दी है। बुमराह को फिटनेस के आधार पर चुना गया था क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। इस चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर रहना पड़ा था।

BCCI के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, 'जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने COE के जरूरी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।' श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त को गाले में शुरू होगी और दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना जरूरी

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को अपने बचे हुए 9 टेस्ट मैचों में से 7 जीतने होंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी धरती पर होने वाली सीरीज से पहले श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना बहुत जरूरी है, क्योंकि न्यूजीलैंड का दौरा एक मुश्किल चुनौती हो सकता है।

वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर

भारत को पहले से ही हर्षित राणा और नितीश रेड्डी की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जो क्रमशः हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं और आकाश दीप पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण लंबे समय से खेल से दूर हैं।

भारतीय फुटबॉल महासंघ का बड़ा ऐलान, भारत-ब्राजील के बीच होगा फुटबॉल मैच

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का हाल ही में समापन हुआ है। भारत में भी फुटबॉल का जुनून चरम पर था। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल फैंस ने भारतीय टीम के ना होने पर दुख भी जताया था। अब भारतीय फुटबॉल फैंस के पास अपने देश की टीम को चीयर करने का मौका होगा। भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में एक बेहतरीन मुकाबला होने जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया है।भारतीय फुटबॉल इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब भारत की टीम फीफा रैंकिंग के टॉप 5 में मौजूद किसी टीम से भिड़ेगी। ब्राजील मौजूदा रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। ब्राजील के फुटबॉल महासंघ ने भी इस मैच का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की टीम सितंबर 2026 में ऑस्ट्रेलिया के साथ भी दो मुकाबले खेलेगी। 2026 फीफा वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह पूर्व विश्व विजेता टीम का पहला मैच होगा।

कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला?

ऑस्ट्रेलिया में ब्राजील की टीम पहला मुकाबला 25 सितंबर को ज्ञश्च2ठुह्य1द्बद्यद्यद्द और 29 सितंबर को ब्रिसबेन में खेलेगी। इसके बाद ब्राजील की टीम भारत के दौरे पर आएगी और इस विंडो का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारत और ब्राजील के बीच यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 3 अक्टूबर 2026 को खेला जाएगा। यह दोनों देशों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली मैच होगा।

ह्रस्स्न के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल ने इस मैच को लेकर कहा, 'ब्राजील जैसी टीम का अपने देश में स्वागत करना एक शानदार पल होगा। साथ ही यह पल भारतीय फुटबॉल के इतिहास का एक अनमोल क्षण होगा।' जबकि ब्राजील फुटबॉल महासंघ की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, 'यह एक स्पेशल मैच होगा उस देश के साथ जहां ब्राजील की टीम का सबसे बड़ा फैनबेस है।

सलमान खान हमेशा गाइडिंग लाइट रहेंगे

टेलीविजन पर चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली महिमा मकवाना का सफर कत्तई आसान नहीं रहा। सिंगल मदर की उंगली पकड़कर चॉल में संघर्षों में पली-बढ़ी महिमा आज टीवी, ओटीटी और फिल्मों तीनों माध्यमों पर काम कर रही हैं।

सलमान खान की 'अंतिम' में हीरोइन के रूप में चुने जाने ने उनके जीवन की धारा मोड़ कर रख दी। वह कहती हैं, 'अपनी पूरी जर्नी का मैं दिल से सम्मान करती हूं। मैं लोगों से सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैं कर सकती हूं, तो कोई भी कर सकता है। बस मेहनत करते रहिए, हार मत मानिए। किस्मत में जो होगा, वह मिलेगा, लेकिन हमें कोशिश करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।'

मेरे पेट डॉग परिंदा ने प्यार के मायने समझाए

प्यार-रोमांस को लेकर वह फलसफे के अंदाज में कहती हैं, 'मैं मानती हूं कि प्यार हमारी जिंदगी में ऑक्सीजन का काम करता है, मगर मैं अपनी बात करूं, तो इस समय मेरी जिंदगी में सेल्फ इम्प्रूवमेंट और मेरा करियर मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं। प्यार बहुत खूबसूरत चीज है, लेकिन हम सब अपनी-अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से फैसले लेते हैं। कुछ लोग हमारी जिंदगी में आते हैं, कुछ चले जाते हैं। लेकिन आज मेरे आसपास बहुत अच्छे दोस्त हैं, मेरा परिवार है, इसलिए मैं अपने आपको पूरी तरह कंप्लीट महसूस करती हूं। परिंदा नामक मेरे पेट डॉग ने मुझे प्यार के असली मायने समझाए।

अपने जीवन और करियर में अपनी मां के योगदान को अहमियत देते हुए वह कहती हैं, 'मां-बाप का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। वो हमें दुनिया में लाई हैं, उससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। लेकिन जब मैंने कमाना शुरू किया, तब मैंने मां से कहा कि अब आपको काम करने की जरूरत नहीं है। आज मेरी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि उन्हें एक आरामदायक और सुकून भरी जिंदगी दूं। लोग सोचते हैं कि शायद मैंने उन्हें कोई बड़ी गाड़ी दी होगी, बड़े-बड़े गिफ्ट दिए होंगे या छुट्टियों पर भेजा होगा। लेकिन सच कहूं तो उन्हें इन चीजों की जरूरत ही नहीं है। वो जहां हैं, जैसे हैं, बहुत खुश हैं। मैं बस यही चाहती हूं कि वह हमेशा खुश रहें, चैन से रहें और उन्हें वो जिंदगी मिले, जिसकी वह हकदार हैं।'

सलमान खान की 'अंतिम' में दबंग खान के साथ काम करने को महिमा अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए 'अंतिम' बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट थी। टीवी से फिल्मों तक का सफर मुझे उसी फिल्म की वजह से मिला। अगर सलमान सर ने मुझमें वह क्षमता नहीं देखी होती और मुझे मौका नहीं दिया होता तो शायद आज मैं फिल्मों में काम ही नहीं कर रही होती। मेरी पूरी ट्रैजेक्टरी 'अंतिम' ने बदल दी। मैं उन अवसरों के लिए शुक्रगुजार हूं, जो मुझे मिले। आज मैं 'शोटाइम' और 'मुसाफिर कैफे' जैसे प्रोजेक्ट कर रही हूं। सलमान सर हमेशा मेरे लिए एक गाइडिंग लाइट रहेंगे। उन्होंने मुझे मेरी पहली फिल्म का मौका दिया और मुझ पर भरोसा किया। उसके बाद की जर्नी मेरी अपनी है।

विक्रांत मैसी के साथ चाइल्ड आर्टिस्ट थी, अब हीरोइन हूं

आज महिमा मकवाना भले विक्रांत मैसी के साथ 'मुसाफिर कैफे' में हीरोइन बन कर आ रही हैं, मगर एक समय वे उनके साथ चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत में करीब पंद्रह साल पहले विक्रांत के साथ काम किया था। 'बालिका वधू' के समय मैं उनसे पहली बार मिली थी। मुझे याद है कि मैं उनके पास फोटो खिंचवाने गई थी और उन्होंने मेरे साथ तस्वीर खिंचवाई थी। आज इतने साल बाद हम दोनों एक-दूसरे के अपोजिट पूरा शो कर रहे हैं। यह अपने आप में बहुत खास एहसास है। विक्रांत बहुत ही स्वीटहार्ट इंसान हैं। वह शानदार अभिनेता हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वह बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके साथ काम करके सबसे बड़ी सीख मुझे उनका अनुशासन मिला। अपने क्राफ्ट को लेकर उनकी गंभीरता मेरे लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। विक्रांत में आज भी उतनी ही विनम्रता है। उनके साथ काम करने और अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित हूं। एक कैफे ओनर, जो एक रोमांटिक लड़की भी है, का रोल मैंने मैनिफेस्ट किया था और मुझे वो करने का मौका मिला।'

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज़्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्ज़न को लेकर शहनाज़ गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्ज़न रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्ज़न से भी जुड़ेंगे। 'शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज़ से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है।

निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज़ गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्ज़न के साथ शहनाज़ गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज़ को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में नॉन ग्लैमरस रोल में दिखेंगी वाणी कपूर

वाणी कपूर की अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' है। इसकी निर्देशक सोनाली रतन देशमुख हैं। उन्होंने इस फिल्म के आइडिया से लेकर वाणी के इससे जुड़ने और कहानी के फोकस पर खास बातचीत की...

निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं... 'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिल्डियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।'

फिल्म पूरी तरह फैमिली ड्रामा, जिंदगी में का आए बदलावों के इर्द-गिर्द घूमती है कहानी

सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

किरदार को जीने पर रहा वाणी को पूरा जोर

बकौल सोनाली... 'फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वाणी ने करीब तीन महीने तक अपने किरदार पर काम किया। इस दौरान लगातार स्क्रिप्ट रीडिंग, वर्कशॉप और किरदार की मानसिकता, भाषा, बॉडी लैंग्वेज व व्यवहार पर विस्तार से चर्चा की गई। हमारा उद्देश्य वाणी से सिर्फ अभिनय कराना नहीं था, बल्कि उन्हें उस लड़की की दुनिया और व्यक्तित्व में पूरी तरह ढालना था, ताकि स्क्रीन पर उनका किरदार पूरी तरह स्वाभाविक लगे।'

ऋषिकेश भी फिल्म में सिर्फ लोकेशन नहीं, कहानी का अहम किरदार भी रही

सोनाली बताती हैं...' फिल्म के लिए ऋषिकेश का चयन केवल खूबसूरत लोकेशन की वजह से नहीं किया गया। धार्मिक माहौल, छोटे शहर की सामाजिक संरचना और पारिवारिक जीवन कहानी अहम हिस्सा हैं। शूटिंग ऋषिकेश के साथ हरिद्वार और देहरादून में भी हुई, लेकिन कहानी की आत्मा ऋषिकेश में ही बसती है।'

रिश्तों की केमिस्ट्री पर रखा है फोकस, दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का है लक्ष्य

सोनाली ये भी कहती है कि 'फैमिली कॉमेडी में पंचलाइन से ज्यादा रिश्तों की केमिस्ट्री काम करती है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक मुस्कुराते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो वही 'सर्वगुण संपन्न' की सबसे बड़ी सफलता होगी।'

स्क्रिप्ट लॉक होने के बाद फिल्म से जुड़ी थीं वाणी, तोड़ी अपनी ग्लैमरस इमेज

सोनाली के अनुसार, 'स्क्रिप्ट के कई ड्राफ्ट पूरे होने के बाद ही वाणी को कहानी सुनाई गई। इस बार वाणी अपने अब तक के ग्लैमरस स्क्रीन इमेज से अलग ऋषिकेश की एक साधारण, चश्मा लगाने वाली और सलवार-कमीज पहनने वाली लड़की के किरदार में नजर आएंगी। कई बार सेट इमेज से निकलकर सामान्य किरदार निभाना भी चैलेंजिंग होता है।'

द केरल स्टोरी की सफलता के बाद अब अच्छे किरदार मिल रहे हैं

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ अभिनेत्री के नए रास्ते खोल दिए। अदा शर्मा का मानना है कि इस फिल्म से मिली सफलता ने उन्हें इंडस्ट्री में खुद को बेहतरीन कलाकार के रूप स्थापित करने का अवसर दिया है, जिससे उनके लिए अब नए रास्ते खुल गए हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हुई खास बातचीत के दौरान बताया कि इस फिल्म के बाद उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिले। अदा ने कहा, 'मेरे साथ ऐसा हुआ कि जब आपकी फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं और आपको बड़े काम देने के लिए तैयार होते हैं। अब मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिल रहे हैं, जिसका सपना हर अभिनेता देखता है।'

बता दें कि अभिनेत्री अदा शर्मा ने सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' में शालिनी नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा की भूमिका अदा करके दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसे सुदीप्तो सेन ने निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित किया था। यह फिल्म जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी। अभिनेत्री अदा शर्मा को बड़ी पहचान उनकी सुपरहिट फिल्म 'द केरला स्टोरी' से मिली। फिल्म में उसके जीवन के सफर को दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवाद की शिकार बन जाती है।

फिल्म की शुरुआत शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) नाम की एक लड़की से होती है, जो अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़ी जाती है। पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी कमर्शियल सक्सेस रही थी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि समर्थकों ने इसे एक कड़वा सच करार दिया। तीखे विवाद और विरोध के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी, जिसके बाद साल 2026 में केरल स्टोरी 2 भी रिलीज की गई थी।

अमाल मलिक ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने का आरोप लगाया

सिंगर-कंपोजर अमाल मलिक ने वे सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जिनमें उन्होंने साथी म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची पर कई आरोप लगाए थे। हालांकि, म्यूजिशियन ने अब साफ किया है कि वे अपनी कही बातों पर अब भी कायम हैं।

अमाल ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने और दूसरों के काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेकर धमकाया जा रहा था। इसके अलावा, अमाल ने दावा किया कि तनिष्क ने एक महिला से शादी का वादा करने के बाद कथित तौर पर उसका भावनात्मक शोषण किया था।

सोच समझकर उठाया गया कदम एक्स पर शेयर किए गए एक नए बयान में अमाल ने बताया कि पोस्ट हटाने का फैसला सिर्फ अपनी टाइमलाइन को साफ-सुथरा रखने के लिए था। उन्होंने कहा कि यह कदम साफ सोच के साथ उठाया गया था और वे अपनी बात पर कायम हैं कि उन्होंने जरूरी कदम उठा लिए हैं।

हटाए गए पोस्ट को लेकर हो रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमाल ने साफ किया कि वे पहले लगाए गए आरोपों से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पोस्ट हटाना सिर्फ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कचरा हटाने का एक तरीका था न कि इस बात का संकेत कि उन्होंने अपना रुख बदल लिया है। सिंगर ने इस बात पर भी बात की कि उन्होंने अभी क्यों आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आरोप सार्वजनिक करने का फैसला लेने से पहले वे वर्षों तक चुप रहे। उन्होंने लिखा, 'अपने गुस्से को दबाए रखने के लिए लगभग 10 साल तक बहुत सब्र करना पड़ा। आज एक दशक बाद, मुझे आवाज उठानी पड़ी, क्योंकि कोई भी सही चीज के लिए खड़ा नहीं होना चाहता।' उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री के उन लोगों की आलोचना की जिन्हें उन्होंने घटिया लोग कहा।

पोस्ट हटाने के बाद भी, अमाल ने अपने ताजा बयान में तनिष्क बागची पर निशाना साधना जारी रखा। यह दावा करते हुए कि उन्होंने एक बहुत बुरे आदमी के बारे में सच सामने ला दिया है, अमाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि कर्म अपना असर दिखाएगा। उन्होंने तनिष्क को सीधे संबोधित करते हुए हिंदी में लिखा, 'बेटे, मुझसे तो औकात में ही रहना। जिंदगी भर के लिए ये चेतावनी दे रहा हूं।'। तनिष्क बागची ने इन दावों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

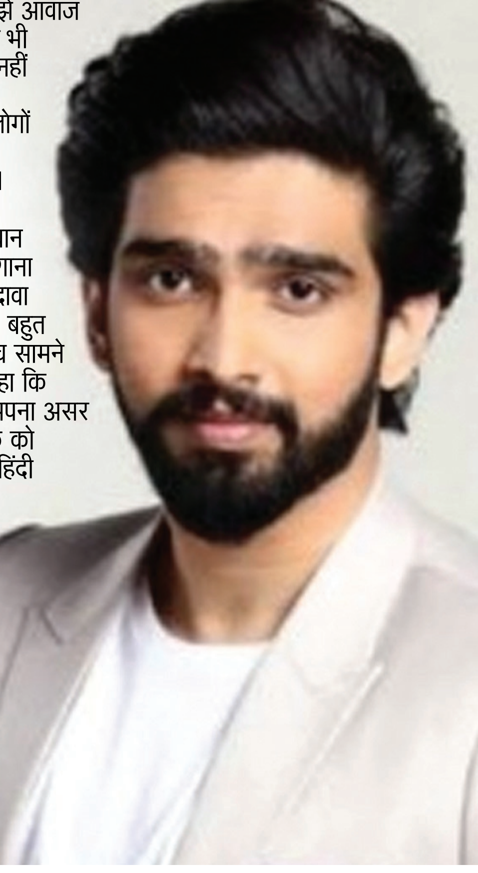

हैवान के स्टंट खुद कर रहे अक्षय

अक्षय कुमार की फिल्म 'हैवान' का 40 दिन का मुख्य शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। तकनीकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक, अक्षय ने फिल्म के ज्यादातर हाई रिस्क एक्शन सीक्वेंस खुद किए हैं। फिल्म से जुड़े तकनीकी सूत्रों के मुताबिक, अक्षय आज भी अपने अधिकतर एक्शन सीक्वेंस बिना बॉडी डबल के शूट करना पसंद करते हैं। कई बार टीम उन्हें स्टंट डबल इस्तेमाल करने की सलाह देती है, लेकिन वह जोखिम भरे शॉट भी खुद करने पर जोर देते हैं। यही वजह है कि 'हैवान' में उनका एक्शन फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, 'हैवान' का मुख्य शेड्यूल करीब 40 दिनों में पूरा किया गया। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर केरल के घने जंगलों और प्राकृतिक लोकेशंस पर हुई है। जंगल आधारित कहानी के कारण फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग और अधिक भव्य नजर आएगा। हर बड़े एक्शन सीन से पहले कैमरा ब्लॉकिंग, फाइट डिजाइन, वायर सेटअप और सेफ्टी टेस्ट किए जाते हैं। अक्षय इन तैयारियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं। 'हैवान' का एक्शन इसकी सबसे बड़ी खासियत होगा।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरुष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरुष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदाः इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदाः इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदाः नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदाः खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैंः चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

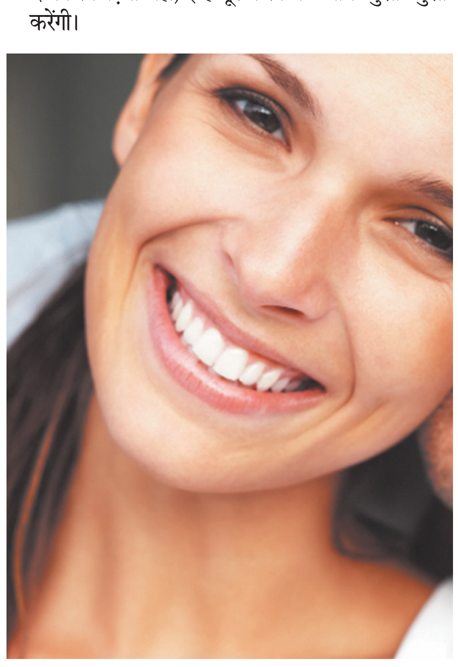

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।